● वर्ष : 17 ● अंक : 188 ● मूल्य : 02 रुपया मात्रा ● पृष्ठ : 08

LKS

RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com

दैनिक लोकतंत्र की शान

दिल्ली से प्रकाशित मंगलवार 28 अप्रैल 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

बैरकपुर की धरती से बंगाल में परिवर्तन होगा, अब मुझे भाजपा के शपथ ग्रहण में आना है : पीएम मोदी

आखिरी चुनावी रैली में प्रधानमंत्री ने जीत पर जताया भरोसा

एजेंसी। कोलकाता

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि बैरकपुर की ऐतिहासिक धरती जिसने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम को प्रेरणा दी थी, अब बंगाल में परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करेगी। प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल के बैरकपुर में विजय संकल्प सभा को सबोधित करते हुए राज्य में बड़े बदलाव का दावा किया। उन्होंने कहा, "बंगाल की सेवा करना, उसे सुरक्षित करना और बड़ी चुनौतियों से बचाना मेरे लिए भाग्य भी है और दायित्व भी और मैं इससे पीछे नहीं हटूंगा।" उन्होंने रैली को इस चुनाव की अपनी अंतिम सभा बताते हुए कहा कि वे पूरे विश्वास के साथ लौट रहे हैं कि 4 मई के बाद उन्हें भाजपा के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए फिर आना होगा। उन्होंने हेलिपैड से सभा स्थल तक उमड़ी भारी भीड़ का उल्लेख करते हुए कहा कि सुबह-सुबह हजारों लोग उन्हें आशीर्वाद देने पहुंचे। अपने रोड शो को तीर्थ यात्रा जैसा अनुभव बताते हुए उन्होंने कहा कि तय स्थान के बाद भी लोग दूर तक कतार में खड़े रहते थे और वे बार-बार उनके बीच जाने को प्रेरित होते थे। मोदी ने अरामबाग की एक महिला का जिक्र करते हुए खेद जताया कि वे उससे मिल नहीं सके और कहा कि वे भविष्य में अवश्य मिलेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले तीन-चार दशकों से वे देशभर में लगातार यात्रा कर रहे हैं और जनता ही उनका परिवार है। प्रधानमंत्री ने तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि राज्य में रोजगार देने वाली मिलें बंद हो रही हैं, जबकि गुंडों को रोजगार देने वाली कच्चे बम की फैक्ट्रियां फल-फूल रही हैं। उन्होंने दावा किया कि बैरकपुर औद्योगिक क्षेत्र में पिछले कुछ महीनों में करीब एक दर्जन जूट मिलें बंद हुई हैं। उन्होंने कहा, "एक ओर रोजगार देने वाली मिलें बंद हो रही हैं, दूसरी ओर बम फैक्ट्रियां और तृणमूल कांग्रेस के सिंडिकेट का विस्तार हो रहा है, यही तृणमूल का महाजंगल राज है। उन्होंने कहा कि तृणमूल की राजनीति केवल गाली, धमकी और झूठ फैलाने तक सीमित रह गई है और उसके नेताओं ने अपने 15 वर्षों के शासन का कोई हिसाब नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल ने "मां, माटी, मानुष" के अपने ही नारे को भुला दिया है और महिलाओं, किसानों तथा युवाओं के लिए कुछ नहीं किया।

पश्चिम बंगाल विस चुनाव के अंतिम चरण का प्रचार थमा, 29 अप्रैल को मतदान

नई दिल्ली/कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण के लिए चुनाव प्रचार सोमवार शाम थम गया।राज्य की 294 सदस्यीय विधानसभा की बाकी 142 सीटों पर बुधवार (29 अप्रैल) को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। प्रथम चरण के 23 अप्रैल को हुए मतदान के दौरान कई मतदान केंद्रों पर हिंसा को देखते हुए इस बार सुरक्षा के और कड़े प्रबंध किए गए हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक इस चरण में कोलकाता, हावड़ा, नादिया, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, हुगली और पूर्व बर्धमान की सीटों पर मतदान होगा। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण में लगभग 40 हजार मतदान केंद्रों पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस चरण में कई संवेदनशील क्षेत्र भी शामिल हैं, जिसके चलते चुनाव आयोग ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती है। शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त मतदान सुनिश्चित करने के लिए राज्य पुलिस के साथ-साथ केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की कुल 2,348 कंपनियां तैनात की जाएंगी। इनमें सबसे अधिक 507 कंपनियां उत्तर 24 परगना जिले में तैनात होंगी। बांग्लादेश से सटी लंबी तटीय सीमा और सुंदरबन क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए दक्षिण 24 परगना और उत्तर 24 परगना जिलों में तटीय गश्त और सुरक्षा निगरानी बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने सीमा क्षेत्रों में विशेष चौकसी और सुरक्षा बंदोबस्त किए हैं, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं ने पूरी ताकत झोंक दी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बैरकपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दो बड़े रोड शो किए।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

ट्रंप का नरक कुंड वाला बयान, मोदी भाजपा पर भारी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत को नरक कुंड बताकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लिए एक नई मुसीबत खड़ी कर दी है। 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान ट्रंप का यह बयान आया। इस पर जो प्रतिक्रिया भारत की होनी थी, अभी तक नहीं हुई है। जिस तरह से सोशल मीडिया पर ट्रंप का यह बयान तूल पकड़ रहा है। सोशल मीडिया में जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी और हिंदू संगठनों को निशाने पर लिया जा रहा है। उससे आने वाले समय में भारतीय जनता पार्टी और हिंदूवादी संगठनों को जवाब देना मुश्किल हो सकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन दिनों पागलपन के एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जिसमें वह किसी के बारे में कुछ भी बोल देते हैं। उनकी बोली हुई बातों को दुनिया के देशों में गंभीरता से नहीं लिया जाता है।

वह सुबह कुछ और बोलते हैं, शाम को कुछ और बोलने लगते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने टेरिफ को लेकर बार-बार अपने बयान बदले। ईरान युद्ध के दौरान अपने बयानों को बार-बार बदला। वह किसी के ऊपर कोई भी आरोप लगा देते हैं। जिस तरह की छवि डोनाल्ड ट्रंप की दुनिया में बन रही है, उसमें वह अमेरिका के राष्ट्रपति कम, सारी दुनिया के लिए एक गैंगस्टर के रूप में अपनी पहचान बनाते हुए दिख रहे हैं। भारत की संस्कृति लाखों वर्ष पुरानी है। भारत का अध्यात्म और भारत देवताओं की भूमि सारी दुनिया के देशों में अलग पहचान हमेशा से रही है। पृथ्वी में सात द्वीप हैं, उसमें सबसे अच्छा देवताओं वाला जम्मू द्वीप भारत में है। इस पवित्र भूमि को डोनाल्ड ट्रंप ने नरक कुंड बताकर हमारे करोड़ों देवी-देवताओं के साथ-साथ भारतवासियों का भी घोर अपमान किया है।

इतने बड़े अपमान के बाद भी भारत के हिंदू सम्राट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार केन्द्र में है, उन्हें सारे हिंदू संगठनों का समर्थन प्राप्त है। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप द्वारा जिस तरह से भारत का बार-बार अपमान किया जा रहा है। वह अब चरम पर पहुंच गया है। भारत में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया आम जनमानस के बीच हो रही है। आम जनता के बीच से यह प्रतिध्वनि निकलने लगी है। जब इतने बड़े पैमाने पर डोनाल्ड ट्रंप ने हमारे सनातन धर्म, हिंदू संस्कृति और भारत का अपमान किया है। ऐसी स्थिति में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, भारतीय जनता पार्टी, हिंदू संगठनों के शंकराचार्य से लेकर महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर और अन्य धर्मगुरु चुप्पी साधकर क्यों बैठे हुए हैं? इससे बड़ा अपमान इसके पहले भारत का कभी नहीं हुआ था। जो हिंदू संगठन यहां बात-बात पर खाने में, पीने में और धार्मिक क्रिया-कलापों को लेकर हिन्दू धर्म की आस्थाओं पर विवाद खड़ा करते हैं।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

टीएमसी सांसद मिताली पर जानलेवा हमला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में सोमवार को तृणमूल कांग्रेस की सांसद मिताली बाग पर प्राणघातक हमला किए जाने की घटना सामने आई है। गोगहाट क्षेत्र में उनकी कार पर ईंट-पत्थरों और लाठियों से हमला किया गया, जिसमें वह और उनका ड्राइवर घायल हो गए। मिताली को इलाज के लिए बाग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच टीएमसी ने आरोप लगाया कि गृह मंत्री अमित शाह की धमकी देने के बाद ही भाजपा कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला बोला है। जानकारी के अनुसार, मिताली बाग गोगहाट से आरामबाग जा रही थीं, जहां उन्हें अभिषेक बनर्जी के रोड शो में शामिल होना था। इसी दौरान रास्ते में उनकी गाड़ी को निशाना बनाया गया। हमले में कार के शीशे टूट गए और सांसद मिताली के साथ ही उनका ड्राइवर भी बुरी तरह घायल हो गए। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ है, जिसमें हमलावर मिताली की कार को घेरकर हमला करते हुए देखा जा सकता है। घायल सांसद और उनके ड्राइवर को तुरंत आरामबाग मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

कोलंबिया में राष्ट्रपति चुनाव से पहले बम विस्फोट, कम से कम 19 लोगों की मौत, 38 घायल

बोगोटा (कोलंबिया)। कोलंबिया में राष्ट्रपति चुनाव से पहले हुए बम विस्फोट में कम से कम 19 लोगों की जान चली गई। मृतकों में पांच बच्चे भी शामिल हैं। इस धमाके में 38 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। यह धमाका देश के दक्षिण-पश्चिमी कोका (काउका) क्षेत्र में पैन-अमेरिकन हाइवे पर शनिवार को हुआ। देश में 31 मई को राष्ट्रपति चुनाव होना है। कोलंबिया वन डॉट कॉम और सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि यह धमका व्यस्त सड़क पर बम फटने से हुआ है। इस विस्फोट में कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई और कम से कम 38 लोग घायल हो गए। मृतकों में पांच बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों का मानना है कि यह आतंकी हमला है। इस सप्ताहांत हुए आतंकवादी हमलों ने देश को दहला दिया। काउका के गवर्नर ऑक्टेवियो गुजमैन ने एक्स पोस्ट में कहा, "पैन-अमेरिकन हाइवे पर काजीबियो के एल टनल इलाके में आम नागरिकों को निशाना बनाकर यह बम धमाका किया गया। सूचना मिलते ही कोलंबिया के रक्षामंत्री पेड्रो सांचेज मौके पर पहुंचे। गवर्नर ने कहा कि अधिकारी गंभीर स्थिति से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर की एक सुरक्षा परिषद का गठन कर रहे हैं। अधिकारियों के अनुसार, एल ट्यूनेल, एल टैम्बो, कैलोटो, पोपायान, गुआचेने, मर्कडेरेस और मिरांडा में भी धमाके होने की सूचना मिली हैं। कोलंबियाई सैन्य बलों के जनरल कमांडर ह्यूगो अलेजांद्रो लोपेज़ बैरेटो ने धमाकों को "हमलों की खतरनाक लहर" बताया है।

कर्नाटक के 7,926 किमी राष्ट्रीय राजमार्गों की गडकरी ने की समीक्षा, गुणवत्ता, रखरखाव पर दिए निर्देश

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कर्नाटक में 7,926 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता और रखरखाव कार्यों की समीक्षा की। यह समीक्षा मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त फीडबैक के आधार पर की गई। यहां आयोजित इस समीक्षा बैठक में केंद्रीय राज्यमंत्री अजय टम्टा और हर्ष मल्होत्रा के साथ भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और परियोजना से जुड़े अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में गडकरी ने परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन, उच्च गुणवत्ता मानकों के पालन और उन्नत तकनीकों के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि राजमार्ग अवसंरचना को टिकाऊ और प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों को अपनाना आवश्यक है। केंद्रीय मंत्री ने अधिकारियों को मानसून से पहले पूरी तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा, संरचनात्मक मजबूती और यातायात के निर्बाध संचालन को बनाए रखने के लिए अग्रिम उपाय और मजबूत प्रतिक्रिया तंत्र विकसित किया जाना चाहिए। गडकरी ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और सभी परियोजनाओं में तय मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

राज्य सभा में भाजपा के सांसदों की संख्या हुई 113, सभापति ने दी विलय को मंजूरी

एजेंसी। नई दिल्ली

राज्यसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ताकत और बढ़ गई है। आम आदमी पार्टी (आआपा) छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राघव चड्ढा समेत सात सांसदों को राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने औपचारिक मंजूरी दे दी है। इसके बाद राज्यसभा में भाजपा सांसदों की संख्या 106 से बढ़कर 113 हो गई है। सोमवार को राज्यसभा सचिवालय द्वारा सदन में सभी दलों के सांसदों की अद्यतन सूची जारी की गई, जिसमें इन सातों नेताओं के नाम भाजपा सांसदों की सूची में शामिल कर दिए गए। इससे भाजपा को उच्च सदन में और अधिक राजनीतिक मजबूती मिली है। उल्लेखनीय है कि 24 अप्रैल को आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले सांसदों में राघव चड्ढा, अशोक कुमार मित्तल, हरभजन सिंह, संदीप कुमार पाठक, डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल और राजिंदर गुप्ता शामिल हैं। ये सभी अब आधिकारिक रूप से भाजपा संसदीय दल का हिस्सा बन चुके हैं। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर इस घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा," राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन ने आम आदमी पार्टी के सात सांसदों के भाजपा में विलय को स्वीकार कर लिया है। अब राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, राजिंदर गुप्ता और विक्रमजीत सिंह साहनी भाजपा संसदीय दल के सदस्य हैं। रिजिजू ने इन सांसदों की कार्यशैली की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि लंबे समय से उन्होंने देखा है कि इन सात सांसदों ने कभी भी अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं किया और न ही कोई अनुशासनहीन या गैर-संसदीय आचरण किया। उन्होंने इसे सकारात्मक राजनीति का उदाहरण बताया। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में सभी का स्वागत है। साथ ही उन्होंने विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधते हुए 'टुकड़े-टुकड़े' गठबंधन को अलविदा कहने की बात भी कही। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, इस घटनाक्रम से राज्यसभा में भाजपा की स्थिति और मजबूत होगी तथा आगामी विधायी कार्यों में पार्टी को रणनीतिक लाभ मिल सकता है।

बांग्लादेश में नहीं थम रहे हिंदुओं पर अत्याचार, पेड़ पर लटका मिला शव

ढाका। बांग्लादेश अभी भी हिंदुओं पर अत्याचार थमे नहीं है। हाल ही में एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है, जहां एक हिंदू मंदिर के पुजारी और देखभाल करने वाले व्यक्ति का शव तीन दिन बाद एक पेड़ से लटका हुआ मिला। इस वीभत्स घटना ने स्थानीय स्तर पर, खासकर अल्पसंख्यक समुदाय में, तनाव और डर का माहौल पैदा कर दिया है। एक अल्पसंख्यक समूह ने मामले के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद (बीएचबीसीयूसी) ने बताया कि चटगांव जिले के सतकनिया उपजिला के दोहाजारी क्षेत्र निवासी 40 वर्षीय नयन साधु कॉक्स बाजार सदर उपजिला के खुरुशकुल यूनियन में स्थित शिवकाली मंदिर की देखभाल करने के साथ-साथ पुजारी का काम भी करते थे। पुलिस और कॉक्स बाजार इलाके के निवासियों के मुताबिक, 19 अप्रैल की देर शाम दो अज्ञात व्यक्ति नयन को अपने साथ ले गए थे, और तीन दिन बाद, उनका शव गांव के बाहरी इलाके में एक पहाड़ी क्षेत्र में पेड़ से लटका हुआ मिला। पुलिस अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि जब शव बरामद किया गया, तब तक वह सड़ना शुरू हो चुका था। पुलिस अब तक यह तय नहीं कर पाई है कि यह मामला हत्या का है या आत्महत्या का, हालांकि परिस्थितियों को देखते हुए हत्या का संदेह गहरा रहा है।

दिनेश त्रिवेदी बांग्लादेश में उच्चायुक्त नियुक्त, विदेश मंत्रालय ने की घोषणा

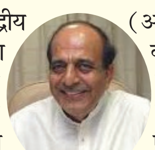

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के नेता दिनेश त्रिवेदी को बांग्लादेश में भारत का अगला उच्चायुक्त बनाए जाने की घोषणा की गई है। विदेश मंत्रालय ने सोमवार को आधिकारिक रूप से इसकी जानकारी दी और कहा कि वे जल्द ही कार्यभार संभाल लेंगे। त्रिवेदी प्रणय वर्मा का स्थान लेंगे, जिन्हें हाल ही में बेल्जियम में भारत का राजदूत नियुक्त किया गया है। साथ ही वह यूरोपीय यूनियन में भारत के राजदूत की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। बांग्लादेश में त्रिवेदी की यह नियुक्ति इसलिए विशेष है क्योंकि आमतौर पर इस पद पर भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के अधिकारी को भेजा जाता है, लेकिन इस बार एक वरिष्ठ राजनेता को चुना गया है। त्रिवेदी का एक लंबा राजनीतिक जीवन रहा है। उन्होंने 1987 में जन मोर्चा के गठन में भूमिका निभाई। जन मोर्चा का बाद में जनता दल में विलय हो गया। वे 1990 से 1996 तक गुजरात से राज्यसभा सदस्य रहे। वर्ष 1998 में तृणमूल कांग्रेस की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार में उन्होंने रेल मंत्री के रूप में कार्य किया। 2012 के रेल बजट में किराया बढ़ाने के प्रस्ताव के कारण उन्हें इस्तीफा देना पड़ा।

लो...खत्म हो गया तेलः आंध्र प्रदेश के 400 से ज्यादा पेट्रोल पंप बंद

एजेंसी। अमरावती

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध की स्थितियों ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में अनिश्चितता पैदा कर दी है, जिसका सीधा असर अब भारतीय जमीन पर भी दिखने लगा है। दक्षिणी राज्य आंध्र प्रदेश में रविवार को ईंधन की भारी किल्लत और पैनिक बाइंग (घबराहट में खरीदारी) के चलते स्थिति बेकाबू हो गई। राज्य के विभिन्न जिलों में 400 से अधिक पेट्रोल पंपों पर ताले लटक गए हैं, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, राज्य में कुल 4,510 पेट्रोल पंप हैं, जिनमें से 421 केंद्रों पर स्टॉक पूरी तरह समाप्त हो गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अधिकांश पंपों ने ईंधन की बिक्री को राशनिंग के दायरे में ला दिया है। वर्तमान में दोपहिया वाहनों को अधिकतम 2 लीटर और कारों को केवल 10 लीटर पेट्रोल ही दिया जा रहा है। आंध्र प्रदेश पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन के अनुसार, आम दिनों में डीजल की औसत बिक्री 7,000 लीटर होती थी, जो पैनिक बाइंग के कारण बढ़कर 14,000 लीटर से ऊपर पहुंच गई है। विजयवाड़ा, गुंटूर, नेल्लोर और तिरुमाला जैसे प्रमुख क्षेत्रों में संकट गहरा गया है। प्रसिद्ध तीर्थ स्थल तिरुमाला में भी परिवहन व्यवस्था चरमरा गई है। अधिकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया पर ईरान-अमेरिका युद्ध के और भीषण होने की अफवाहों ने आग में घी का काम किया। लोग डर के मारे जरूरत से ज्यादा ईंधन जमा करने लगे। कई स्थानों पर पंपों को इसलिए बंद करना पड़ा ताकि भीड़ को नियंत्रित किया जा सके और शांति व्यवस्था बनी रहे। ईंधन न मिलने पर वाहन चालकों और कर्मचारियों के बीच तीखी झड़पें भी देखने को मिलीं।

ईरान ने अमेरिका को होर्मुज खोलने का सशर्त प्रस्ताव भेजा

एजेंसी। वाशिंगटन

ईरान ने पाकिस्तान के माध्यम से अमेरिका को होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) खोलने का सशर्त प्रस्ताव भेजा है। यह प्रस्ताव व्हाइट हाउस को मिल गया है। ईरान और अमेरिका के बीच मूंछ की लड़ाई बन चुके होर्मुज के बंद होने से सारी दुनिया परेशान है। तेल और गैस के संकट ने कई देशों को संकट में डाल दिया है। तेल और गैस से लदे जहाज गुजर नहीं पा रहे हैं। महत्वपूर्ण और रणनीतिक इस जलमार्ग पर ईरान और अमेरिकी की आंखें निगहबान हैं। कई देश दोनों देशों के बीच सुलह कराने के लिए मध्यस्थता कर रहे हैं। पाकिस्तान में तो एक बार बातचीत भी हो चुकी है। इसके बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सैन्य विराम बढ़ा चुके हैं। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में बातचीत का दूसरा चरण शुरू नहीं हो पाया है। दोनों को मनाने के लिए मध्यस्थ देशों के प्रयास जारी हैं। अमेरिकी न्यूज पोर्टल एक्सियोस और संयुक्त अरब अमीरात के अंग्रेजी अखबार द नेशनल की रिपोर्ट के अनुसार ईरान ने प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने और होर्मुज को फिर से खोलने पर जोर दिया है। प्रस्ताव का मुख्य फोकस वैश्विक ऊर्जा संकट को कम करना और अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी को खत्म करना बताया जा रहा है। इसमें ईरान ने शर्त रखी है कि परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत को बाद के चरण में शुरू किया जाए। प्रस्ताव व्हाइट हाउस पहुंच तो चुका है, लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि ट्रंप प्रशासन इस पर आगे बढ़ेगा या नहीं? व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ओलिविया वेल्स ने कहा कि अमेरिका ऐसे संवेदनशील कूटनीतिक मुद्दों पर मीडिया के जरिए बातचीत नहीं करेगा। साथ ही अमेरिका किसी भी समझौते में अपनी प्राथमिकताओं से समझौता नहीं करेगा और ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह प्रस्ताव ऐसे समय पर आया है जब दोनों देशों के बीच बातचीत लगभग ठप है। हाल ही में डोनाल्ड ट्रंप ने अपने दूतों की पाकिस्तान यात्रा रद्द कर दी थी। इस यात्रा को शांति वार्ता का अहम हिस्सा माना जा रहा था। इस बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची पाकिस्तान से लगातार बातचीत कर रहे हैं। वह पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर से बात कर रूस पहुंच गए हैं। वहां उनकी मुलाकात राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से होने वाली है। एक अमेरिकी अधिकारी और बातचीत से परिचित दो सूत्रों ने पुष्टि की है कि ईरान ने अमेरिका के सामने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और युद्ध को समाप्त करने का प्रस्ताव रखा है।

पीएम राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए नामांकन आमंत्रित, 31 जुलाई अंतिम तारीख

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) 2026 के लिए नामांकन आमंत्रित किए हैं। नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई 2026 है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में बताया कि यह राष्ट्रीय स्तर का एक प्रतिष्ठित पुरस्कार है जो प्रतिवर्ष देशभर के बच्चों की असाधारण उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार उन बच्चों को दिया जाता है जो वीरता, खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पर्यावरण और कला एवं संस्कृति के क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान के पात्र हैं। बयान के मुताबिक देश में रहने वाला कोई भी भारतीय नागरिक, जिसकी आयु 31 जुलाई 2026 को 5 से 18 वर्ष तक हो, इन पुरस्कारों के लिए पात्र है। नामांकन केवल राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से https://awards.gov.in पर स्वीकार किए जाएंगे। पुरस्कारों के लिए स्व-नामांकन और अनुशंसा, दोनों पर विचार किया जाएगा। ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। अधिक जानकारी के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर जा सकते हैं।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

ख़ास ख़बर

सुप्रीम कोर्ट ने महिला वकील पर हमले मामले का स्वतः संज्ञान लिया, वरिष्ठ महिला अधिकारी से जांच कराने के निर्देश

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली में एक महिला वकील पर हमले के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिया कि इस मामले की जांच एसीपी या डीसीपी रैंक की महिला पुलिस अधिकारी से कराई जाए। कोर्ट ने जांच अधिकारी को उन तीन अस्पतालों की भी जांच करने को कहा, जिन्होंने पीड़ित महिला वकील को इलाज के लिए भर्ती करने से इनकार कर दिया था। सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से पेश एएसजी ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई है और पीड़ित के पति मनोज कुमार को सोनिया विहार से 25 और 26 अप्रैल की दरम्यानी रात को गिरफ्तार किया गया है। मनोज पर आरोप है कि उसने अपनी पत्नी पर 22 अप्रैल को चाकू से हमला किया। मनोज ने पूछताछ में स्वीकार किया कि उसने पारिवारिक विवाद की वजह से अपनी पत्नी पर चाकू से हमला किया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने इस बात पर गौर किया कि शिकायत में कहा गया है कि महिला वकील के ससुराल वाले उसके दो नाबालिग बच्चों को अपने साथ ले गए हैं और उनका कुछ अता-पता नहीं है। कोर्ट ने दोनों नाबालिग बच्चों का पता लगाने का निर्देश दिया। कोर्ट ने जांच अधिकारी को इस मामले की जांच की स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिलने गाजीपुर जाएगा, एसपी से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित का आग्रह

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में विश्वकर्मा समुदाय की युवती की संदिग्ध मृत्यु के मामले में पीड़ित परिवार से मिलने के लिए प्रतिनिधिमंडल भेजने की घोषणा की है। इस संबंध में एआईसीसी ओबीसी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल जयहिंद ने पुलिस अधीक्षक गाजीपुर को पत्र लिखकर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। कांग्रेस ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल में 21 सदस्य शामिल होंगे। यह सभी 27 अप्रैल को गाजीपुर पहुंचेंगे। घटनास्थल का अवलोकन भी किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में डॉ. अनिल जयहिंद, राजेंद्र पाल गौतम, अजय कुमार लल्लू, सुभाषिनी बुंदेला, जितेंद्र बघेल, सांसद तनुज पुनिया, सांसद राकेश राठौर, राज्यसभा सदस्य कर्मवीर सिंह बौद्ध, मनोज यादव, विधायक वीरेंद्र चौधरी, पूर्व सांसद रवि प्रकाश वर्मा आदि शामिल हैं। प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्य आज दिल्ली से वाराणसी के लिए उड़ान भरेंगे और रात को लौट आएंगे।

संपत्ति विवाद में संजय कपूर की मां को सुप्रीम कोर्ट की सलाह- मध्यस्थता से सुलझाएं मामला

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की मां रानी कपूर और प्रिया कपूर के बीच सोना ग्रुप पारिवारिक ट्रस्ट को लेकर चल रहे विवाद को सुलझाने के लिए मध्यस्थता के लिए भेज दिया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि विरासत की इस लंबी लड़ाई में 80 वर्षीय पक्षकार का कोई भला नहीं होने वाला है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि आप क्यों लड़ रहे हैं। आपके मुवक्किल की उम्र लड़ने की नहीं है। आप मध्यस्थता में जाकर मामला निपटाइए। कोर्ट ने कहा कि मामले को लंबा खींचने से कुछ हासिल नहीं होता है वो भी बड़ी उम्र में। दरअसल, दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की मां रानी कपूर ने पारिवारिक ट्रस्ट आरके फैमिली ट्रस्ट को भंग करने की मांग की है। रानी कपूर ने अपनी याचिका में कहा है कि आरके फैमिली ट्रस्ट के गठन और उसके प्रबंधन की परिस्थितियां सवालों के घेरे में हैं। याचिका में कहा गया है कि आरके फैमिली ट्रस्ट का गठन बिना याचिकाकर्ता की जानकारी या सहमति के किया गया। इसी वजह से याचिकाकर्ता को ट्रस्ट से बाहर कर दिया गया। ट्रस्ट की सारी संपत्ति उनकी थीं, लेकिन ट्रस्ट का गठन करते समय उन्हें सूचना तक नहीं दी गई। ट्रस्ट के गठन के समय उन्हें हार्ट का स्ट्रोक आया था, जिसकी वजह से उनकी तबीयत खराब थी। रानी कपूर ने कहा है कि ट्रस्ट के कागजात पर हस्ताक्षर बिना उसका कंटेंट जाने करा लिया गया। कुछ सादे कागजों पर उनके हस्ताक्षर ले लिए गए।

केंद्र का आदेश प्रभावी रहने तक 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' को रिलीज नहीं किया जा सकताः हाई कोर्ट

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर निर्मित डॉक्यूमेंट्री 'लॉरेंस ऑफ पंजाब' की रिलीज पर रोक लगाने की मांग करने वाली याचिका पर कहा कि जब तक केंद्र सरकार का आदेश निरस्त नहीं हो जाता तब तक इसके निर्माता इसे रिलीज नहीं कर सकते। ऐसे में याचिका का निस्तारण किया जाता है। जस्टिस पुरुषेंद्र कौरव की बेंच ने यह फैसला सुनाया। ओटीटी प्लेटफार्म जी5 की ओर से पेश वकील राजीव नय्यर ने उच्च न्यायालय में कहा कि केंद्र सरकार ने डॉक्यूमेंट्री की रिलीज पर रोक लगाने का आदेश दिया है, जिसको चुनौती दी जाएगी। जी5 के मुताबिक इस डॉक्यूमेंट्री में लॉरेंस बिश्नोई के बारे में बताया गया है जो छात्र से राजनेता बना और बाद में एक गैंग बना लिया। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर इस डॉक्यूमेंट्री की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की थी। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा था कि इस डॉक्यूमेंट्री की रिलीज को लेकर पंजाब पुलिस ने आपत्ति जताई थी जिसके बाद केंद्र सरकार ने रिलीज रोकने का निर्देश जारी किया था।

भीषण गर्मी को लेकर दिल्ली सरकार ने एक सप्ताह के भीतर कार्य योजना लागू करने का निर्देश दिया

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते तापमान और आगामी भीषण लू की संभावनाओं को देखते हुए उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने सोमवार को एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में उपराज्यपाल ने सभी संबंधित विभागों और एजेंसियों के साथ तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि भीषण गर्मी से निपटने के लिए तैयार की गई कार्ययोजना को अगले एक सप्ताह के भीतर जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। ज़िला मजिस्ट्रेटों से कहा गया है कि वे इसके क्रियान्वयन में अग्रणी भूमिका निभाएं और सार्वजनिक स्थानों पर लू से बचाव के कड़े उपायों का इतंजाम किया जाए। महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और मजदूर की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसके अलावा अत्यधिक गर्मी की स्थितियों में शहर के पक्षियों तथा जानवरों की देखभाल के महत्व पर भी ज़ोर देने और प्रगति की बारीकी से निगरानी करने का आदेश दिया गया। उपराज्यपाल ने प्रत्येक विभागों से आपसी तालमेल के साथ अपनी ज़िम्मेदारियों को पूरा करने और सभी नागरिकों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

मनसुख मांडविया ने राष्ट्रीय राइफल संघ के 75वें स्थापना समारोह में शिरकत की; एथलीट ऐप का किया शुभारंभ

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राइफल संघ ने अपने 75वें स्थापना वर्ष के अवसर पर एक ऐतिहासिक कार्यक्रम के साथ समारोह की शुरुआत की। इस कार्यक्रम में केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इस आयोजन में वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों और खिलाड़ियों की उपस्थिति रही। साथ ही इस कार्यक्रम के जरिए शूटिंग लीग ऑफ इंडिया को भी गति मिली, जो भारतीय निशानेबाजी के महत्वाकांक्षी भविष्य की रूपरेखा को दर्शाता है। समारोह के तहत राष्ट्रीय राइफल संघ ने अपने 75 वर्ष पूरे होने पर विशेष स्मारक प्रतीक चिह्न का अनावरण किया, जो भारतीय निशानेबाजी में सात दशकों से अधिक की उत्कृष्टता, अनुशासन और उपलब्धियों का प्रतीक है।इसके अलावा संघ ने देशभर में एक बड़े जमीनी अभियान की घोषणा की, जिसका उद्देश्य 2028 ओलंपिक से पहले 7,50,000 नए स्कूल और कॉलेज के छात्रों को '10 शॉट अनुभव' के माध्यम से निशानेबाजी से परिचित कराना है। यह कार्यक्रम विभिन्न राज्यों और जिलों में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, केंद्रीय विद्यालय संगठन, विश्वविद्यालयों, स्कूल बोर्ड और राज्य संघों के सहयोग से लागू किया जाएगा।इस पहल का उद्देश्य जमीनी स्तर पर जागरूकता बढ़ाना और भागीदारी सुनिश्चित करना है, ताकि भारतीय निशानेबाजों की अगली पीढ़ी की पहचान और प्रेरणा दी जा सके। इस अवसर पर राष्ट्रीय राइफल संघ के एथलीट ऐप का भी आधिकारिक शुभारंभ किया गया। यह एक आधुनिक डिजिटल मंच है, जो संघ को भारत का पहला पूर्णतः डिजिटलीकृत खेल संगठन बनाता है। यह ऐप खिलाड़ियों के पंजीकरण, 7,50,000 युवाओं को जोड़ने, प्रमाण पत्र जारी करने, रिकॉर्ड बनाए रखने और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की निगरानी जैसे कार्यों के लिए एकीकृत मंच के रूप में कार्य करेगा। इस मौके पर संघ ने खेल मंत्री को 75 वर्ष के प्रतीक चिह्न की स्मृति भेंट भी दी। कार्यक्रम में डॉ. मांडविया ने कहा, "राष्ट्रीय राइफल संघ के 75 वर्ष पूरे होना प्रेरणादायक है। एथलीट ऐप, 7.5 लाख युवाओं तक पहुंच और आगामी शूटिंग लीग जैसे प्रयास प्रतिभा खोजने, खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और खिलाड़ियों के लिए अधिक अवसर बनाने में मदद करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने खेलों में उल्लेखनीय प्रगति की है और सही योजना व प्रतिबद्धता के साथ हम दुनिया के अग्रणी खेल देशों में शामिल हो सकते हैं।" संघ के अध्यक्ष कालीकेश सिंह देव ने कहा, "यह उपलब्धि केवल हमारे इतिहास को याद करने का नहीं, बल्कि भारतीय निशानेबाजी के भविष्य को आकार देने का भी अवसर है। हमारा लक्ष्य इस खेल को अगली पीढ़ी के लिए अधिक सुलभ, प्रेरणादायक और आकर्षक बनाना है।" संघ के महासचिव पवन कुमार सिंह ने कहा, "75वां वर्ष भारतीय निशानेबाजी के लिए ऐतिहासिक है। वर्ष 2028 ओलंपिक से पहले 7,50,000 छात्रों को खेल से जोड़ने, एथलीट ऐप के माध्यम से तकनीक का उपयोग करने और शूटिंग लीग के जरिए नए अवसर देने पर हमारा फोकस है।" कार्यक्रम में वर्तमान और पूर्व कई शीर्ष भारतीय निशानेबाज भी उपस्थित रहे, जिनमें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर शामिल थीं। उन्होंने कहा, "राष्ट्रीय राइफल संघ ने भारतीय निशानेबाजी को नई पहचान दी है। युवाओं को खेल से जोड़ने और एथलीट ऐप जैसे कदम भविष्य के चैंपियन तैयार करेंगे।" इस दौरान शूटिंग लीग ऑफ इंडिया को लेकर भी उत्साह देखने को मिला। यह देश की पहली फ्रेंचाइजी आधारित पेशेवर निशानेबाजी लीग है, जिसका उद्देश्य खेल को अधिक लोकप्रिय और दर्शक-केंद्रित बनाना है। कार्यक्रम में लीग का एक विशेष झलक वीडियो भी दिखाया गया, जिसमें इसके नवीन प्रारूप और दर्शकों को आकर्षित करने वाली योजना की झलक देखने को मिली। 75 वर्षों की समृद्ध विरासत के साथ राष्ट्रीय राइफल संघ ने भारतीय निशानेबाजी के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाया है।

पंजाब में प्रेस की आज़ादी पर खतरा? "अघोषित आपातकाल" के खिलाफ उठी आवाज़, 5 मई को बठिंडा में प्रदर्शन तय

लोकतंत्र की शान

आज Press Club of India में पंजाब में स्वतंत्र मीडिया को चुप कराने के बढ़ते मुद्दों को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। "प्रेस दी आज़ादी बहाल करो संघर्ष कमेटी पंजाब" की ओर से वक्ताओं बख्तौर ढिल्लों, मनिंदरजीत सिद्धू और साहिलदीप सिंह ने बताया कि डिजिटल पत्रकारों और प्लेटफॉर्म्स को कॉपीराइट स्ट्राइक, कानूनी मामलों और कंटेंट हटाने के जरिए संगठित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भगवंत मान की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी सरकार के तहत राज्य में डर और सेंसरशिप का माहौल बनाया जा रहा है। उन्होंने राज्य शक्ति के दुरुपयोग पर भी चिंता जताई, जिसमें एफआईआर दर्ज करना, विज्ञापनों के माध्यम से मीडिया संस्थानों पर दबाव बनाना और प्लेटफॉर्म्स द्वारा कंटेंट हटाने के अनुरोधों का पालन शामिल है। इसे मीडिया की आज़ादी के लिए "अघोषित आपातकाल" बताते हुए वक्ताओं ने मीडिया संगठनों और नागरिक समाज से हस्तक्षेप कर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा करने की अपील की। उन्होंने स्वतंत्र पत्रकारिता के समर्थन में बढ़ते जन प्रतिरोध को भी रेखांकित किया। 5 मई को बठिंडा में एक विरोध प्रदर्शन निर्धारित है। इस अवसर पर संघर्ष कमेटी की ओर से जस्स ग्रेवाल, बख्शीश आज़ाद, राजू सिंह, संदीप लाधुका, मोहन सिंह औलख और विकास सहित अन्य उपस्थित रहे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में चंडीगढ़ प्रेस क्लब के अध्यक्ष सौरभ दुग्गल, वरिष्ठ पत्रकार परंजॉय गुहा ठाकुरता, शिव इंदर सिंह और सर्वेश भी मौजूद रहे। प्रेस की आज़ादी बहाल करो संघर्ष कमेटी

कांग्रेस बोली- पंजाब में भाजपा को केवल 6.6 प्रतिशत वोट मिले थे, अब आप सांसदों को अपने साथ मिलाकर पंजाब की 86 प्रतिशत राज्यसभा सीटों पर कब्जा किया

लोकतंत्र की शान

नई दिल्लीः कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसदों के भाजपा में शामिल होने को जनादेश के साथ खिलवाड़ बताते हुए सोमवार को तीखा हमला बोला। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अजय माकन ने कहा कि भाजपा ने ठीक वही किया है, जो अलगाववादी ताकतें सिद्ध करना चाहती हैं। अलगाववादी ताकतें कहती हैं कि लोगों को सुना नहीं जाता, उन्हें न्याय नहीं मिलता। आंकड़ों के जरिए भाजपा को बेनकाब करते हुए उन्होंने कहा कि 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में भाजपा को मात्र 6.6 प्रतिशत वोट मिले थे और उसके केवल दो उम्मीदवार चुनाव जीते थे। उन्होंने आगे कहा कि जिस अनुपात में लोगों ने वोट दिया होता है, उसी अनुपात में राज्यों से विधायक अपने प्रतिनिधि चुनकर राज्यसभा में भेजते हैं, लेकिन आम आदमी पार्टी के सांसदों को अपने साथ मिलाकर भाजपा ने राज्यसभा में पंजाब का 86 प्रतिशत प्रतिनिधित्व हासिल कर लिया है। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा पंजाब की जनता को कैसे यह समझाएगी कि उनके वोट की कीमत क्या रह गई है? अजय माकन ने कहा कि सरहदी राज्य पंजाब देश-विरोधी ताकतों का निशाना रहा है। एक बार फिर से खालिस्तान समर्थक तत्व अलग-अलग देशों में सक्रिय हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अलगाववाद से पहले ड्रग्स की तस्करी, गैंगवार और अपराध बढ़ते हैं। आज फिर 1980 के दशक जैसी स्थिति बन रही है।

"लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ संकट में: पत्रकारों के अधिकार, सम्मान और अस्तित्व की निर्णायक लड़ाई"

"आज के पत्रकारों को भारतीय पत्रकारिता के मूल्यों और इतिहास को समझना अनिवार्य" - सरदार चरणजीत सिंह

लोकतंत्र की शान, न्यू दिल्ली से पत्रकार ऊषा माहना की कलम से

नई दिल्ली | भारतीय पत्रकार संघ (AIJ) दिल्ली प्रदेश की एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली बैठक का आयोजन राजधानी दिल्ली के टैगोर गार्डन स्थित रुस्तम-ए-हिन्द मीडिया हाउस में किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष अवध नारायण पत्रकार ने की, जिसमें देश के विभिन्न प्रतिष्ठित मीडिया संस्थानों से जुड़े वरिष्ठ पत्रकारों, संपादकों और मीडिया प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक में वरिष्ठ पत्रकार रमेश चंद्र द्विवेदी, सुशील खन्ना, रुस्तम-ए-हिन्द के संपादक सरदार चरणजीत सिंह, प्रमोद कुमार चौहान, सुमित भोजगी, रजनीश कुमार, रवि समानियाँ, अनिल कुमार शर्मा, वरुण कथूरिया, आर.के. राठौर, सत्य प्रकाश सक्सेना, महेंद्र सिंह विर्दी, वंदना शर्मा, पंकज भट्टी, लक्ष्मी वर्मा, सोनम ठाकुर, सौरभ गुप्ता, ऋषभ सहित अनेक पत्रकारों ने सहभागिता करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए।

अगले कुछ महीनों में यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ व्यापार समझौता : पीयूष गोयल

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि न्यूजीलैंड के साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) पिछले साढ़े तीन साल में उनके कार्यकाल के दौरान हस्ताक्षर किया गया सातवां ऐसा समझौता है। उन्होंने कहा कि आने वाले महीनों में यूरोपीय संघ और अमेरिका के साथ दो और समझौतों की उम्मीद है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने भारत और न्यूजीलैंड के साथ एफटीए पर हस्ताक्षर के बाद अयोजित एक प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी। गोयल और भारत आये न्यूजीलैंड के व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैकक्ले ने नई दिल्ली में एक मुक्त व्यापार समझौते किए, जिसके इस साल के अंत तक लागू होने की उम्मीद है। पीयूष गोयल ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''इस (भारत-न्यूजीलैंड) एफटीए के साथ यह सातवां मुक्त व्यापार समझौता है जिस पर मैं पिछले साढ़े तीन साल में हस्ताक्षर कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि अगले कुछ महीनों में यूरोपीय संघ (ईयू) और अमेरिका के साथ दो और समझौते बहुत जल्द होने वाले हैं।'' गोयल ने कहा है कि भारत अगले कुछ महीनों में अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने के लिए तैयार है। इन समझौतों से 38 विकसित देशों तक भारत की पहुंच बढ़ेगी, जिससे वैश्विक व्यापार का लगभग दो-तिहाई हिस्सा कवर होगा। इससे पहले भारत और 27 देशों के समूह ईयू ने जनवरी में एक व्यापार समझौते के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की थी। इस पर अभी तक हस्ताक्षर नहीं हुए हैं। ये कदम पिछले साढ़े तीन वर्षों में सात एफटीए के बाद आता है।वाणिज्य मंत्री की ये टिप्पणियां इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि भारतीय अधिकारियों की टीम पिछले हफ्ते ही अमेरिका से लौटी है। वहां उन्होंने द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ तीन दिनों तक वार्ता की थी। दोनों पक्षों ने कई क्षेत्रों पर चर्चा की, जैसे कि बाजार पहुंच, गैर-शुल्क उपाय, व्यापार में तकनीकी बाधाएं, सीमा शुल्क और व्यापार सुविधा, निवेश प्रोत्साहन, आर्थिक सुरक्षा तालमेल और डिजिटल व्यापार। उल्लेखनीय है कि भारत और अमेरिका ने सात फरवरी को एक संयुक्त बयान जारी किया, जिसमें आपसी और पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार के संबंध में एक अंतरिम व्यापार समझौते के लिए एक रूपरेखा को अंतिम रूप दिया गया। फिलहाल अमेरिकी शुल्क परिदृश्य में बदलावों को देखते हुए इस रूपरेखा में कुछ समायोजन की जरूरत है।

भूटान में सड़कों का जाल बिछाने, इंफ्रा डेवलपमेंट में भारत का अहम योगदान

लोकतंत्र की शान

थिम्पू। भूटान में सड़कों का जाल बिछाने और उसके बुनियादी ढांचे के विकास में भारत ने अत्यंत महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। भारत ने न केवल भूटान को शेष दुनिया से जोड़ने वाली पहली मोटर योग्य सड़क बनाई, बल्कि दुर्गम पहाड़ी इलाकों में कनेक्टिविटी को आधुनिक रूप देने का काम भी किया है। थिम्पू में भारत के सहयोग से ल्हाक्सम जंक्शन से ज़ैंगलेखा चिवोग तक जाने वाली सड़क का उद्घाटन किया गया, जो दोनों देशों के बीच विकास साझेदारी का हालिया उदाहरण है। भूटान स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा थिम्पू में भारत द्वारा समर्थित एक 'हाई इम्पैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट' (एचआईसीडीपी) "ल्हाक्सम जंक्शन से ज़ैंगलेखा चिवोग तक फ़ार्म रोड" का उद्घाटन किया गया। ग्रामीण कनेक्टिविटी क्षेत्र का यह प्रोजेक्ट, गेन्येन गेवोग (ब्लॉक) के स्थानीय समुदाय के लिए पहुंच और आर्थिक अवसरों को बेहतर बनाएगा। विशेष रूप से यह स्थानीय कृषि उत्पादों की शहरी बाजारों तक पहुंच को सुगम बनाएगा। भूटान में सड़क नेटवर्क के विकास में भारत के अतुल्य योगदान को इसी बात से समझा जा सकता है कि बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (बीआरओ) के प्रोजेक्ट दंतक ने हाल ही में भूटान की राजधानी थिम्फू में अपना 66वां स्थापना दिवस मनाया। यह आयोजन भूटान में समर्पित सेवा के 65 वर्षों के मील के पत्थर का प्रतीक है। इस परियोजना की शुरुआत 24 अप्रैल 1961 को हुई थी और तब से लेकर अब तक भारत के सहयोग से पड़ोसी देश में 1,500 किमी से अधिक सड़कों का जाल बिछाया जा चुका है, जिसमें थिम्फू को त्राशीगांग से जोड़ने वाला रणनीतिक पूर्व-पश्चिम राजमार्ग भी शामिल है। अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट की बात करें तो देश में पारो अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा और योंगफुला हवाई अड्डे के विकास में भारत का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इसके अलावा पड़ोसी देश के प्रमुख शहरों एवं कस्बों से लेकर दूरदराज के गांवों तक अस्पताल, स्कूल, पुल, जलविद्युत बुनियादी ढांचे और दूरसंचार नेटवर्क जैसी राष्ट्रीय सुविधाओं के निर्माण में भी भारत का सबसे बड़ा योगदान रहा है। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है प्रोजेक्ट दंतक के स्थापना दिवस के अवसर पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें थिम्पू में आयोजित एक अंतर-विद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, विशिष्ट कर्मियों का सम्मान और कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वालों को भावभीनी श्रद्धांजलि शामिल है। इस प्रोजेक्ट ने प्राकृतिक आपदाओं के दौरान, जिसमें बड़े भूस्खलन और सड़कों का बह जाना शामिल है, रिकॉर्ड समय में कनेक्टिविटी बहाल करके असाधारण लचीलापन भी प्रदर्शित किया है। भारत का योगदान केवल सड़क निर्माण या बुनियादी ढांचे के विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग का प्रतीक भी है। क्योंकि भारत अपनी 'पड़ोसी प्रथम' नीति के तहत भूटान का 'हर समय और हर क्षेत्र' में हमेशा सहयोगी रहा है।

संक्षिप्त समाचार

श्रीराम सेवा समिति का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर : रविवार देर रात नगर के सामाजिक एवं धार्मिक संगठन श्री राम सेवा समिति का स्थापना दिवस नगर की अग्रवाल धर्मशाला में धूमधाम के साथ मनाया गया, हनुमान चालीसा अभियान से जुड़े श्रद्धालुओं को कार्यक्रम में सम्मानित किया गया, समिति के पदाधिकारी ने बताया कि 21 दिसंबर 2021 से नगर के मंदिरों में श्री बालाजी महाराज को चोला चढ़ाने का कार्य प्रारंभ किया गया था यह अभियान 7 नवंबर 2023 तक निरंतर चला, जिसके अंतर्गत नगर के लगभग सभी मंदिरों में तीन-तीन बार चोला चढ़ाया गया, इसके पश्चात 21 नवंबर 2023 से घर-घर हनुमान चालीसा पाठ का संकल्प लिया गया जो वर्तमान में जारी है, स्थापना दिवस के अवसर पर उन सभी राम भक्तों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया जिन्होंने अपने निवास पर हनुमान चालीसा का पाठ आयोजित कर इस मुहिम को सफल बनाया, कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष राजपाल सैनी एवं समिति के पदाधिकारी द्वारा श्री राम प्रभु के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया, बच्चों ने भजनों पर नृत्य प्रस्तुत किया और कलाकारों द्वारा राधा कृष्ण का नृत्य भी प्रस्तुत किया गया, उपस्थित भक्तों के बीच कुछ मनोरंजन गेम भी खेले गए,समिति का उद्देश्य घर-घर में भक्ति की अलख जागना है ताकि भाभी पीढ़ी अपनी संस्कृति और संस्कारों से जुड़े रहे, कार्यक्रम के समापन पर सभी राम भक्तों के लिए सामूहिक भोज की व्यवस्था की गई, इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष पंकज भटनागर, जिला उपाध्यक्ष लोकेश अग्रवाल, नगर अध्यक्ष मुकुल अग्रवाल, रानू रस्तोगी, आकाश, विजय पारछा, मोहित सुशील अग्रवाल, जय अग्रवाल, पवन चौहान, रूप किशोर सैनी, पुनीत अग्रवाल, लखपत सिंह सैनी, बरसा रस्तोगी, अंजू भटनागर, बबीता सैनी, अंचल अग्रवाल, सुनीता शर्मा, संजीव शर्मा, व्यापारी नेता मुकेश गुप्ता, सचिन गुप्ता, मोहित अग्रवाल, अरुण त्यागी, हर्ष अग्रवाल, दामोदर शर्मा, सौरभ गुप्ता, राजन पाल, सोनू सैनी, प्रमोद अग्रवाल आदि सहित भारी संख्या में श्रद्धालु गण मौजूद रहे 1

बीजेपी जन कल्याण मंच ने संगठन का विस्तार करते हुए नई जिम्मेदारीया सौंपी

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुर : सोमवार को बीजेपी जनकल्याण मंच की एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक संपन्न हुई, इस दौरान संगठन का विस्तार करते हुए कई सक्रिय कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियां सौंप गई बैठक हसनपुर स्थित रहरा अड्डा स्थित भीष्म सिंह खड़कवंशी के कैंप कार्यालय पर आयोजित की गई, बैठक की अध्यक्षता मंच के जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह ने की बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत करना और आगामी अभियानों के लिए रणनीति तैयार करना रहा, जिला अध्यक्ष ने विभिन्न पदों के लिए नाम की घोषणा की और नवनियुक्त पदाधिकारीयो को नियुक्ति पत्र दिए, इसमें चमन कसाना को जिला महासचिव अमरोहा, ठाकुर जी को विधानसभा अध्यक्ष हसनपुर, मनोज राणा को विधानसभा उपाध्यक्ष हसनपुर, भागेंद्र को ब्लॉक उपाध्यक्ष गंगेश्वरी, देवेंद्र राणा को ग्राम पंचायत उपाध्यक्ष और विजेंद्र राणा को सदस्य हथिया खेड़ा नियुक्त किया गया, नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान जिला अध्यक्ष भीष्म सिंह ने कहा कि संगठन का मुख्य उद्देश्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को जन् जन तक पहुंचना है, उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारी को बधाई देते हुए उनसे पूरी निष्ठा के साथ जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान करने का आह्वान किया, इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारीयो ने नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि वह संगठन की उम्मीद पर खरा उतरेंगे और बीजेपी जन कल्याण मंच की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया 1

वैश्य समाज ने सृष्टि अग्रवाल को कक्षा 12वीं की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने पर किया सम्मानित

गर्व का पल...

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद , नजीबाबाद। अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन (आईवीएफ) उत्तर प्रदेश के युवा प्रदेश सचिव आदित्य अग्रवाल द्वारा यूपी बोर्ड की कक्षा 12वीं की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करने पर छात्रा सृष्टि अग्रवाल को अंग वस्त्र पहनाकर व अशोक स्तंभ का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। सृष्टि अग्रवाल मूर्ति देवी कन्या विद्यालय इंटर कॉलेज नजीबाबाद की साइंस साइड की मेधावी छात्रा है। युवा प्रदेश सचिव आदित्य अग्रवाल ने कहा कि सृष्टि अग्रवाल ने अपने सभी विषयों में डिक्टेशन लाकर वैश्य समाज का नाम रोशन किया है। उनकी यह उपलब्धि अन्य छात्र-छात्राओं के लिए भी प्रेरणा बनेगी। ऐसी बेटियां ही समाज और देश का नाम रोशन करती हैं। यह गौरवपूर्ण सफलता आपके अथक लगन, कठोर परिश्रम और दृढ़ अनुशासन का परिणाम है। आपके अभिभावक एवं गुरुजनों का स्नेह और मार्गदर्शन भी इस उपलब्धि में समाहित है। भविष्य की प्रत्येक चुनौती में आपका संकल्प और सामर्थ्य और अधिक निखरे, हर मंज़िल आपके कदमों में हो। अंतराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के युवा प्रदेश सचिव आदित्य अग्रवाल व परिवार जनों ने सृष्टि अग्रवाल की सफलता पर बधाई व आशीर्वाद देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। सृष्टि अग्रवाल ने अपनी सफलता का श्रेय अपने नाना जी अनिल कुमार सिंघल, माता जी पायल अग्रवाल व समस्त गुरुजनों को दिया तथा इस मान सम्मान के लिए अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन परिवार का आभार व्यक्त किया।

राशन में कटौती का आरोप, कोटेदार के खिलाफ भड़के उपभोक्ता

» जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय से राशन कार्ड से नाम काटने का सिलसिला जारी

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पात्र परिवारों को नियमित रूप से राशन उपलब्ध कराने के स्पष्ट निर्देश हैं, लेकिन रामपुर में जिला पूर्ति विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उपभोक्ताओं का आरोप है कि जिला पूर्ति अधिकारी सरकार के आदेशों की खुलेआम अनदेखी कर रहे हैं और राशन कार्डों में नाम काटने का सिलसिला लगातार बढ़ता जा रहा है। स्थानीय निवासी दीपू स्वामी ने आरोप लगाते हुए कहा कि जिला पूर्ति कार्यालय में आए दिन उपभोक्ताओं के राशन कार्ड से नाम हटाए जा रहे हैं। जबकि अधिकांश उपभोक्ताओं की केवाईसी प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है, फिर भी उनका नाम राशन कार्ड से हटाकर उन्हें राशन से वंचित किया जा रहा है। इससे गरीब और जरूरतमंद परिवारों में भारी रोष देखने को मिल रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि विभाग इसी प्रकार राशन कार्ड काटता रहेगा तो इससे बेहतर है कि गरीबों को मिलने वाला सरकारी राशन ही बंद कर दिया जाए, क्योंकि विभाग की कार्रवाई से उपभोक्ता मानसिक रूप से परेशान हो रहे हैं।

500 रुपये लेकर राशन कार्ड बनाने का आरोप–मामले में एक और गंभीर आरोप सामने आया है। सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि रामपुर जिला पूर्ति कार्यालय में 500 प्रति यूनिट लेकर नए राशन कार्ड बनाए जा रहे हैं। आरोप है कि नई नगर इंचार्ज फरीन जहां, जो नगर इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं, अपने किसी कर्मचारी के माध्यम से यह वसूली करवा रही हैं। सूत्रों के अनुसार कार्यालय में खुलेआम कहा जा रहा है कि 500 दीजिए और राशन कार्ड बनवा लीजिए। यह मामला शासन के नियमों के खिलाफ बताया जा रहा है।

गोपनीय जांच की मांग–उपभोक्ताओं और सामाजिक लोगों ने मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की गोपनीय तरीके से जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। लोगों का कहना है कि यदि निष्पक्ष जांच हो जाए तो राशन कार्ड कटौती और अवैध वसूली से जुड़े तथ्य स्वतः उजागर हो जाएंगे। अब देखना यह होगा कि जिला प्रशासन व उच्च अधिकारी इस गंभीर मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और दोषियों पर क्या कार्रवाई की जाती है।

सीएम के दूसरे रोड-शो में भीड़ ने पैमाने तोड़े, हर तरफ गूंजा- "योगी-योगी"

लोकतंत्र की शान

उत्तर 24 परगना। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को दमदम का मिजाज बदल दिया। सूर्य की तपिश के बीच भी बंगाल चुनाव प्रचार के आखिरी दिन सीएम योगी का जादू बंगालवासियों के सिर चढ़कर बोला। बुलडोजर बाबा की एक झलक पाने को लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। मुख्यमंत्री ने दमदम विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अरिजीत बख्शी के लिए रोड-शो किया तो हाथों में भाजपा का झंडा लिए मतदाताओं ने वंदे मातरम, भारत मां, जयश्रीराम, बुलडोजर बाबा के जमकर जयकारे लगाए। भगवा रंग में रंगा दमदम मानो एक स्वर में बोल रहा था कि हम सब 'कमल' के साथ हैं। मुख्यमंत्री का रोड-शो जैसे ही निकला, ढोल-नगाड़ों के बीच लोगों ने 'स्वागतम्-स्वागतम' का उद्घोष कर उन पर पुष्पवर्षा की। सीएम ने इस स्नेह के लिए बंगालवासियों का हृदय से आभार प्रकट किया। इस दौरान 'एक ही नारा-एक ही नाम-जयश्रीराम-जयश्रीराम', 'हिंदू-हिंदू भाई-भाई', 'योगी बाबा जिंदाबाद-बुलडोजर बाबा जिंदाबाद' के स्वर गूंजते रहे। रोड-शो के रास्ते में बने मंच पर बाल कलाकार भगवान राम, मां सीता व लक्ष्मण आदि की भूमिका में सबका ध्यान आकृष्ट करते दिखे तो पारंपरिक परिधान में सजीं महिलाएं भी अपने बंगाल में बुलडोजर बाबा का जोरदार स्वागत करती दिखाई दीं। घरों की खिड़कियों, छतों से भी सीएम योगी पर लगातार पुष्पवर्षा होती रही।

जनसेवा से दिन की शुरुआत, फिर कार्यकर्ता का दायित्व निभाने प. बंगाल निकले सीएम

लोकतंत्र की शान

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा चुनाव प्रचार के आखिरी दिन प. बंगाल रवाना होने से पहले जनसेवा का संकल्प भी पूरा किया। मुख्यमंत्री ने सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' में प्रदेश भर से आए फरियादियों की पीड़ा सुनी और अधिकारियों को संवेदनशील होकर जनता की समस्याओं के निराकरण का निर्देश दिया।

संवेदनशील होकर समस्याओं का कराएं समाधान–मुख्यमंत्री ने 'जनता दर्शन' में आए सभी फरियादियों से मुलाकात की। एक-एक कर उनकी समस्याएं सुनीं, प्रार्थना पत्र लिया, फिर अधिकारियों को समय सीमा के भीतर समाधान कराने को कहा। राजस्व व पुलिस से जुड़ी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि हीलाहवाली नहीं चलेगी, समयसीमा के भीतर समस्याओं का समाधान करके पीड़ित को सूचित करना होगा।

अपने जनपद में अधिकारियों से मिलें, बेतहाशा गर्मी में न हों परेशान–'जनता दर्शन' में आए कुछ फरियादियों से मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या जनपद में किसी अधिकारी से मिलकर आपने समस्या बताई? पता चला-नहीं, इस पर मुख्यमंत्री ने फरियादियों से कहा कि बेतहाशा गर्मी में आप परेशान न हों। पहले अपने जनपद में तैनात अधिकारियों से पीड़ा बताएं। हर हाल में सुनवाई होगी और समस्या का यथोचित समाधान भी। मुख्यमंत्री ने सभी से अपील की कि धूप-गर्मी में अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

संभल पुलिस की सख्त पहलः नव नियुक्त आरक्षियों को अनुशासन, मर्यादा और सोशल मीडिया नीति का दिया गया विशेष प्रशिक्षण

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/सिरसी थाना हजरत नगर गढ़ी में पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार के सशक्त निर्देशन में क्षेत्राधिकारी संभल के मार्गदर्शन में थाना हज़रत नगर गढ़ी के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार द्वारा नव नियुक्त पुरुष एवं महिला आरक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण एवं विस्तृत जानकारी सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान थाना प्रभारी संजय कुमार ने सभी आरक्षियों को सोशल मीडिया के उपयोग से संबंधित शासन की नीति, अनुशासित आचरण तथा सेवा के दौरान मर्यादित एवं जिम्मेदार व्यवहार के विषय में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी आरक्षी सोशल मीडिया का प्रयोग अत्यंत सावधानी और जिम्मेदारी के साथ करें तथा किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक या विभाग की छवि को प्रभावित करने वाली सामग्री साझा न करें। थाना प्रभारी ने अपने संबोधन में कहा कि पुलिस की वर्दी केवल पहचान नहीं बल्कि जनता के विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक है। इसलिए प्रत्येक आरक्षी का कर्तव्य है कि वह अपने व्यवहार में अनुशासन, संयम और शालीनता बनाए रखे। उन्होंने कहा कि ड्यूटी के दौरान ही नहीं बल्कि निजी जीवन में भी पुलिसकर्मी का आचरण समाज के लिए एक उदाहरण होना चाहिए। उन्होंने नव नियुक्त आरक्षियों को कानून-व्यवस्था बनाए रखने, आमजन से बेहतर संवाद स्थापित करने तथा हर परिस्थिति में धैर्य और सूझबूझ के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। वही महिला उप निरीक्षक रश्मी मलिक ने महिला आरक्षियों को भी विशेष रूप से उनके अधिकारों, कर्तव्यों एवं सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी दी गई और उन्हें आत्मविश्वास के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित किया गया। अंत में थाना प्रभारी संजय कुमार ने सभी नव नियुक्त आरक्षियों को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि वे पूर्ण ईमानदारी, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे तथा संभल पुलिस का नाम रोशन करेंगे।

बिजनौर में सपा कार्यालय पर उमड़ा जनसैलाब, हनी फैसल के जिला अध्यक्ष बनने पर भव्य स्वागत समारोह

» सपा के वरिष्ठ नेता फुरकान खान ने जिला कार्यालय पहुंचकर जिला अध्यक्ष सहित कार्यकताओं में जोश 2027 के चुनाव के लिया जोश भरा

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

समाजवादी पार्टी के बिजनौर स्थित जिला कार्यालय पर नव-नियुक्त जिला अध्यक्ष हनी फैसल के सम्मान में एक भव्य एवं उत्साहपूर्ण स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के विधायकों, वरिष्ठ पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी ने इसे एक बड़े शक्ति प्रदर्शन का रूप दे दिया। हनी फैसल के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। फूल-मालाओं से लदे हनी फैसल का अभिनंदन करते हुए कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी की, जिससे पूरा सपा कार्यालय परिसर गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश और उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए हनी फैसल ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा दी गई इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी को वह पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएंगे। उन्होंने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने और समाजवादी पार्टी की नीतियों एवं विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में मौजूद विधायकों और वरिष्ठ नेताओं ने अपने संबोधन में हनी फैसल के नेतृत्व की सराहना करते हुए विश्वास जताया कि उनके मार्गदर्शन में पार्टी संगठन को नई मजबूती और गति मिलेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे एकजुट होकर पार्टी को और सशक्त बनाएं तथा आगामी चुनावों में शानदार प्रदर्शन सुनिश्चित करें। समारोह के दौरान कार्यकर्ताओं ने "समाजवादी पार्टी जिंदाबाद" और "हनी फैसल जिंदाबाद" के नारों से माहौल को जोशीला बना दिया। कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुटता और संगठन विस्तार का संकल्प लिया। इस भव्य आयोजन ने यह साफ संकेत दिया कि हनी फैसल के जिला अध्यक्ष बनने के बाद कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है, जो आने वाले समय में पार्टी के लिए सकारात्मक परिणाम ला सकता है।

फिलिस्तीन के राजदूत अब्दुल्लाह अबूशावेश ने रामपुर में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लिया

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। फिलिस्तीन के राजदूत अब्दुल्लाह अबू शावेश का नूर महल पहुंचने पर पूर्व मंत्री नवाब काज़िम अली खां उर्फ नवेद मियां ने फूल मालाएं पहनाकर परम्परागत रूप से स्वागत किया। राजदूत ने सामाजिक शख्सियत लल्लन खां ठेकेदार के आवास पर आयोजित मीटिंग में हिस्सा लिया। यहां काफी संख्या में जिलेभर के प्रमुख लोग जुटे। उन्होंने सौलत पब्लिक लाइब्रेरी, जामा मस्जिद और इमामबाड़ा किला का भी दौरा किया। रामपुर दौरे के दौरान सामाजिक व राजनैतिक व्यक्तियों के अलावा बुद्धिजीवी वर्ग विशेषकर शिया व सुन्नी उलेमा ने उनका जबरदस्त इस्तक़बाल किया और बढ़ चढ़कर उनके साथ नजर आए। रामपुर में कार्यक्रमों की सफलता से राजदूत भी खुश नजर आए। कार्यक्रमों में फिलिस्तीन के प्रति हमदर्दी और समर्थन देखने को मिला। शहर इमाम हज़रत मौलवी नासिर खां और शिया जामा मस्जिद के इमाम सैयद अली मोहम्मद नक़वी की राजदूत से लंबी बातचीत हुई।

नजीबाबाद पुलिस को बड़ी सफलता, लाखों की चोरी का माल बरामद, आरोपी गिरफ्तार

» स्वाट/सर्विलांस और थाना नजीबाबाद की संयुक्त कार्रवाई, 5 लाख से अधिक की नकदी व सामान बरामद

लोकतंत्र की शान, खिजर अहमद

बिजनौरः के थाना नजीबाबाद पुलिस को बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। स्वाट/सर्विलांस टीम और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में चोरी के मामले का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लाखों रुपये की नकदी, नोटों की मालाएं और अन्य सामान बरामद किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वादी शुभम अग्रवाल निवासी नजीबाबाद ने अपनी हरिओम वेरायटी स्टोर, चौक बाजार स्थित दुकान में हुई चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। अज्ञात चोरों द्वारा दुकान से करीब 4-5 लाख रुपये की नकदी, नोटों की मालाएं और चांदी के सिक्के चोरी कर लिए गए थे। इस मामले में थाना नजीबाबाद में मुकदमा अपराध संख्या 180/2026 धारा 305(ए) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम का गठन किया गया, जिसके तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी मो0 रफी उर्फ बहादुर, निवासी अमरोहा, को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के कब्जे से 4,05,000 रुपये नकद, 48 नोटों की मालाएं जिनमें कुल 1,09,380 रुपये के नोट लगे थे, तथा 15 सफेद धातु के सिक्के बरामद किए गए। कुल मिलाकर 5,14,380 रुपये का माल बरामद हुआ है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथी इमामुद्दीन के साथ मिलकर दुकान की रेकी की थी और 19/20 अप्रैल 2026 की रात को चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरी के बाद सामान को आपस में बांट लिया गया था। पुलिस अब फरार आरोपी इमामुद्दीन की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मुकदमे में अन्य धाराओं की बढ़ोतरी करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस का कहनाः पुलिस अधिकारियों के अनुसार, क्षेत्र में अपराध पर नियंत्रण के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है और इस तरह की घटनाओं में शामिल अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

नजीबाबाद में शिक्षक विधायक डॉ. हरिसिंह ढिल्लों का दौरा, शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर दिया बल

» आचार्य आर.एन. केला स्कूल में हुआ भव्य स्वागत, शिक्षकों को नई शिक्षा नीति पर किया जागरूक

लोकतंत्र की शान, खिज़र अहमद

नजीबाबादः शिक्षक विधायक (बरेली-मुरादाबाद) डॉ. हरिसिंह ढिल्लों ने शुक्रवार को नजीबाबाद का दौरा कर शिक्षा के क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण कर शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर उनके साथ ब्लॉक प्रमुख तपराज देशवाल, चौधरी ईशम सिंह, वसीम अहमद बक्श एवं मोनू अग्रवाल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। डॉ. ढिल्लों ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता, शिक्षक हितों तथा नई शिक्षा नीति से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने शिक्षकों से अपील की कि वे बदलते समय के साथ शिक्षा पद्धति को और अधिक प्रभावी बनाएं। इसके बाद डॉ. ढिल्लों ने ब्लॉक प्रमुख तपराज देशवाल के साथ नगर के विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया और स्कूल प्रबंधन व शिक्षकों से सीधा संवाद स्थापित कर शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने के सुझाव दिए। आचार्य आर.एन. केला स्कूल पहुंचने पर संस्थापक कपिल सर्राफ एवं प्रबंधक हर्षित अग्रवाल ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान विद्यालय परिवार द्वारा उन्हें सम्मानित भी किया गया। संस्थापक कपिल सर्राफ ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में इस प्रकार के जागरूकता अभियान अत्यंत आवश्यक हैं, जो शिक्षकों और छात्रों दोनों को नई दिशा प्रदान करते हैं। वहीं प्रबंधक हर्षित अग्रवाल ने कहा कि विद्यालय लगातार शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए प्रयासरत है और ऐसे कार्यक्रम सकारात्मक बदलाव लाने में सहायक होते हैं। वसीम अहमद बक्श ने भी अपने विचार रखते हुए कहा कि शिक्षा समाज के विकास की आधारशिला है और इस तरह के अभियानों से शिक्षा व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्र के अनेक शिक्षक, शिक्षाविद् एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

'मैं मर रही हूं, पति को भी जिंदगी भर तड़पाना'

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। 'मां, मैं मर रही हूं। तुम मयंक राज को ऐसी सजा दिलाना कि वो कभी दोबारा शादी न कर पाए। जैसे मैं तड़प-तड़प कर मर रही हूं, वैसे ही वो भी जिंदगी भर तड़पता रहे।' मरने से पहले ये बातें नेहा कुमारी (23) ने अपनी मां को भेजे वॉइस नोट में कही थी। नेहा ने मायके में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। महिला ने मरने से पहले अपने पति और मां को वॉइस ऑडियो भेजा। नेहा की शादी 24 नवंबर 2025 को महुआ थाना क्षेत्र के भदवास तरौरा गांव निवासी लालबाबू राय के बेटे मयंक राज से हुई थी। मयंक पटना सचिवालय में ग्राम विकास परियोजना में कार्यरत है। घटना महुआ थाना क्षेत्र की है। मायके पक्ष का आरोप है कि शादी के बाद से ही नेहा को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। लगातार दबाव, अपमान और तनाव के कारण उसने आत्महत्या कर ली। नेहा के भाई निखिल कुमार ने बताया, 'हमने 5 महीने पहले नेहा की शादी पूरे रीति-रिवाज से की थी। परिवार ने अपनी क्षमता के मुताबिक शादी में खर्च किया था। हमने सोना-चांदी और घर के सामान भी दिए थे। हमें उम्मीद थी कि बहन पढ़े-लिखे परिवार में जाएगी तो सुखी से रहेगी। शादी के 3 महीने तक नेहा-मयंक के बीच सब कुछ ठीक चल रहा था। तीन महीने बाद जब मयंक पटना से छुट्टी लेकर वैशाली आया, तब नेहा ने इच्छा जताई कि इस बार वह भी उसके साथ पटना जाएगी। इस पर मयंक ने कहा कि तुम यहीं रहो और मेरे घरवालों का ध्यान रखो, मैं छुट्टी लेकर घर आता रहूंगा और तुमसे मिलता रहूंगा।' परिवार का आरोप है कि एक महीने पहले मार्च से हालात बदलने लगे थे। पिछले करीब चार सप्ताह से नेहा को ससुराल पक्ष के लोग लगातार प्रताड़ित कर रहे थे। बार-बार दहेज और गहनों की मांग की जा रही थी। मृतका के भाई ने बताया कि 23 अप्रैल को मयंक राय खुद नेहा को मायके छोड़कर गया था। उस समय जब परिवार वालों ने नेहा से पूछा कि क्या पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ है, तो उसने कहा कि कोई बड़ी बात नहीं है, बस छोटी सी लड़ाई हुई है। नेहा ने परिवार को यह भी बताया था कि ससुराल पक्ष की ओर से पैसों की मांग की जा रही है। इस पर भाई ने कहा था कि वह मयंक से बात करेगा, लेकिन नेहा ने उसे ऐसा करने से रोक दिया। उसने कहा कि बात बढ़ाने की जरूरत नहीं है। परिजनों के अनुसार, 25 अप्रैल को मयंक राज ने फोन कर उन्हें पटना के एजी कॉलोनी स्थित घर बुलाया। उसने कहा कि आप लोग नेहा को लेकर वहां आ जाइए। इसके बाद परिवार वाले नेहा को साथ लेकर पटना पहुंचे, लेकिन वहां घर पर ताला लगा मिला। जब मयंक को फोन कर इस बारे में पूछा गया, तो उसने कहा कि वह भूल गया था और वापस वैशाली आ गया है। यह सुनकर परिवार हैरान रह गया।

महिला का शव फंदे से लटका मिला, किराए के मकान में रहती थी, बेटी को खेलने के लिए बाहर भेजा

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली के हाजीपुर नगर थाना क्षेत्र के अंदरकिला कुशवाहा चौक स्थित एक किराए के मकान में एक महिला का शव पंखे से लटका मिला। सूचना मिलने पर नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। मृतका की पहचान मध्य प्रदेश निवासी अजय उपाध्याय की पत्नी सुनैना कुमारी (30) के रूप में हुई है। उसके पास मिले आधार कार्ड पर बिदुपुर थाना क्षेत्र के काशीनाथ सिंह की पुत्री सुनैना कुमारी लिखा था। सुनैना पिछले कई वर्षों से अपनी 2 साल की बेटी के साथ कुशवाहा चौक पर किराए के मकान में रह रही थी। उसका पति अजय उपाध्याय मध्य प्रदेश में एक दवा कंपनी में कार्यरत है। बताया जा रहा है कि अजय उपाध्याय ने भागकर सुनैना कुमारी से शादी की थी। मृतका की मां से जब दैनिक भास्कर की टीम ने बात कि तो उन्होंने कहा, 'मुझे मेरी बेटी से कोई मतलब नहीं है।' रविवार शाम करीब चार बजे सुनैना ने अपनी बेटी को खेलने के लिए बाहर भेज दिया था। जब बेटी वापस लौटी, तो उसने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद पाया। बच्ची के बार-बार आवाज देने पर भी दरवाजा नहीं खुला। बगल के किराएदार ने भी दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद किराएदार ने मकान मालिक और पुलिस को सूचना दी। नगर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से दरवाजा तोड़ा। अंदर महिला का शव पंखे से लटका मिला। पुलिस ने मामले की छानबीन के बाद एफएसएल टीम को बुलाया। एफएसएल टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की और कुछ नमूने एकत्र किए। मृतका के पास मिले मोबाइल से उसके परिजनों को घटना की सूचना दी गई। नगर प्रभारी थानाध्यक्ष मोहन कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है और मामले की गहन छानबीन की जा रही है।

वैशाली पुलिस ने साइबर फ्रॉड गैंग का खुलासा किया, नकली आधार कार्ड और सरकारी स्कीम में सेंधमारी

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह नकली आधार कार्ड बनाने और सरकारी योजनाओं में सेंधमारी करने में शामिल था। गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, यह गिरोह मुजफ्फरपुर के एक युवक द्वारा ग्राहक सेवा केंद्र (CSP) की आड़ में संचालित किया जा रहा था। एसपी विक्रम सिहाग ने बताया कि मुजफ्फरपुर निवासी धर्मेंद्र पंडित इस गिरोह का मास्टरमाइंड है। वह लंबे समय से यह अवैध धंधा चला रहा था। पुलिस ने यह भी बताया कि इस गिरोह की गतिविधियों से राष्ट्रीय सुरक्षा को भी खतरा उत्पन्न हो रहा था। गिरोह अपराधियों और गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल लोगों को नकली आधार कार्ड बनाकर सप्लाई करता था। धर्मेंद्र ने गिरफ्तार किए गए अन्य दो युवकों को फिंगरप्रिंट क्लोन करने और नकली आधार कार्ड बनाने का प्रशिक्षण दिया था, जिन्हें देश के अन्य राज्यों में भी भेजा जाता था। पुलिस ने बेलसर थाना क्षेत्र के बीबीपुर चौक स्थित एयरटेल पेमेंट बैंक के आउटलेट पर छापा मारा। मौके से मिनी एटीएम मशीन, फिंगरप्रिंट मशीन, क्लोन फिंगरप्रिंट, 30 से अधिक आधार कार्ड, मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, लैपटॉप, कैमरा और बायोमेट्रिक उपकरण सहित भारी मात्रा में आपत्तिजनक सामान बरामद किया गया। गिरोह के पास से भारी मात्रा में प्रिंटर और अन्य उपकरण भी बरामद किए गए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। गिरफ्तार तीनों आरोपियों से गहन पूछताछ जारी है ताकि गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके पूरे नेटवर्क का पता लगाया जा सके।

गंडक नदी में डूबे 2 बच्चे, मौत, हाजीपुर में नहाने के समय हुई घटना, अस्पताल में मृत घोषित

लोकतंत्र की शान : हाजीपुर। वैशाली जिले के हाजीपुर नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत तमौल घाट पर गंडक नदी में नहाने के दौरान 2 किशोरों की डूबने से मौत हो गई। यह घटना रविवार सुबह करीब 10 बजे हुई। सूचना मिलते ही इलाके में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मृतकों की पहचान नगर थाना के बागमली निवासी अजय राय का बेटा रवि कुमार (12) और मुजफ्फरपुर जिले के तुर्की थाना के धरमुहा गांव निवासी (वर्तमान पता कृष्णपुरी बागमली) राणा सिंह के बेटे अंश कुमार उर्फ भोला (11) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, अंश कुमार साइकिल से गेहूं पिसाने के लिए घर से निकला था। गेहूं मिल में रखने के बाद वह रवि कुमार के साथ तमौल घाट स्थित गंडक नदी किनारे गया, जहां दोनों नहाने के दौरान गहरे पानी में डूब गए। मौके पर गंडक नदी में स्नान कर रहे ग्रामीणों ने शोर मचाया। वहां मौजूद एक व्यक्ति ने दोनों किशोरों के नदी किनारे रखे चप्पल और नदी में रखी हुई साइकिल की तस्वीरें खींचकर सोशल मीडिया पर साझा कर दीं। इन तस्वीरों को देखकर रवि कुमार के परिजन नदी किनारे पहुंचे, जिसके बाद अंश कुमार के परिजन भी वहां आ गए। घटना की सूचना हाजीपुर के प्रभारी सीओ अपर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी उदय कुमार, नगर थाना के प्रभारी थानाध्यक्ष मोहन कुमार और एसडीआरएफ टीम को दी गई। सूचना पर पहुंची एसडीआरएफ की दो टीमों ने घंटों चले सर्च ऑपरेशन के बाद दोनों किशोरों के शवों को नदी से बाहर निकाला। पुलिस ने आनन-फानन में दोनों शवों को सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। नगर थाना के पुलिस पदाधिकारियों ने आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी कर दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद परिजन शवों को लेकर अपने गांव चले गए। जानकारी के अनुसार मुजफ्फरपुर जिले के तुर्की निवासी राणा सिंह की पत्नी बच्चों की पढ़ाई के लिए कृष्णा पुरी बागमली में किराए के मकान लेकर पिछले कई सालों से रहती है।

बिहार में शराबबंदी के 10 साल, 17 लाख गिरफ्तारी, 11 लाख केस

एक साल में 8,403.46 करोड़ राजस्व वसूली कर बनाया रिकॉर्ड

लोकतंत्र की शान, पटना

बिहार सरकार के मद्यनिषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में डिप्टी सीएम और मद्य निषेध विभाग के मंत्री बिजेंद्र यादव मौजूद थे। इस दौरान विभाग की नई रिपोर्ट में दो बड़ी उपलब्धियां सामने आई हैं। एक ओर शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए बड़े पैमाने पर कार्रवाई की गई है। दूसरी ओर निबंधन विभाग ने राजस्व वसूली में नया रिकॉर्ड बनाकर राज्य की आय बढ़ाने में बड़ी सफलता हासिल की है। सरकार का दावा है कि तकनीक और पारदर्शी व्यवस्था की बदौलत कानून व्यवस्था और राजस्व संग्रह दोनों में बेहतर परिणाम मिले हैं।

बिहार सरकार ने बनाया नया रिकॉर्ड: निबंधन विभाग के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2025-26 में 8,403.46 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रह किया, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। सरकार ने 8,250 करोड़ रुपये का लक्ष्य तय किया था, लेकिन विभाग ने लक्ष्य से अधिक 101.86 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की। यह प्रदर्शन विभाग की बेहतर कार्यप्रणाली और डिजिटल व्यवस्था को दर्शाता है।

शराबबंदी कानून के तहत कार्रवाई: सरकार की रिपोर्ट के मुताबिक, 1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2026 तक शराबबंदी कानून के तहत कुल 11 लाख 37 हजार 731 मामले दर्ज किए गए। इस दौरान 17 लाख 18 हजार 58 लोगों को गिरफ्तार किया गया। यह आंकड़ा बताते हैं कि राज्य में शराबबंदी कानून को लागू कराने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

तकनीक के सहारे तस्करी पर नकेल: शराब तस्करी रोकने के लिए सरकार आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर रही है। दियारा और नदी क्षेत्रों में निगरानी के लिए 42 ड्रोन और 12 स्पीड मोटर बोट लगाए गए हैं। इसके अलावा राज्यभर में 84 चेक पोस्ट बनाए गए हैं, जिनमें 67 अंतर्राज्यीय चेक पोस्ट हैं। सभी चेक पोस्ट सीसीटीवी कैमरों से लैस हैं। मार्च 2026 तक जब्त अवैध शराब का लगभग 98 प्रतिशत हिस्सा नष्ट किया जा चुका है।

राजस्व वसूली में पटना अव्वल, दानापुर सबसे आगे: राजस्व वसूली के मामले में पटना जिला पहले स्थान पर है। इसके बाद अरवल और औरंगाबाद का स्थान है। वहीं, निबंधन कार्यालयों में दानापुर ने सबसे बेहतर प्रदर्शन करते हुए 134 प्रतिशत राजस्व प्राप्ति दर्ज की, जो पूरे राज्य में सबसे अधिक है।

सरकार रजिस्ट्री प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाने के लिए तेजी से डिजिटाइजेशन कर रही है। ई-निबंधन पोर्टल के जरिए लोग घर बैठे ऑनलाइन अपॉइंटमेंट ले सकते हैं, शुल्क जमा कर सकते हैं और दस्तावेज डाउनलोड कर सकते हैं। विभाग ने 1995 से 2026 तक के करीब 2.34 करोड़ दस्तावेजों को डिजिटल कर दिया है। 'बिहार निबंधन नियमावली 2026' लागू होने के बाद रजिस्ट्री प्रक्रिया पूरी तरह पेपरलेस हो जाएगी।

पराली जलाने पर सख्तीः दोषी किसानों को 3 साल तक नहीं मिलेगी सरकारी योजनाओं का लाभ

लोकतंत्र की शान

सहरसा | मो. जियाउद्दीन, जिला संवाददाताः गेहूं की कटाई के बाद खेतों में बची पराली (फसल अवशेष) जलाने की घटनाओं को लेकर कृषि विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। विभाग ने स्पष्ट चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि पराली जलाते पाए जाने पर संबंधित किसान का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया जाएगा और उसे आगामी तीन वर्षों तक किसी भी सरकारी कृषि योजना का लाभ नहीं मिलेगा। कृषि विज्ञान केंद्र, अगवानपुर की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सुनीता पासवान ने किसानों को जागरूक करते हुए बताया कि पराली को जलाना मिट्टी और पर्यावरण दोनों के लिए अत्यंत हानिकारक है। उन्होंने कहा कि जिसे किसान बेकार समझकर जला देते हैं, वही अवशेष मिट्टी के लिए बहुमूल्य संसाधन होता है। उन्होंने बताया कि पराली जलाने से मिट्टी में मौजूद लाभकारी सूक्ष्म जीव, मित्र कीट और जैविक कार्बन नष्ट हो जाते हैं, जिससे भूमि की उर्वरता प्रभावित होती है। इसके अलावा, इससे वायु प्रदूषण भी बढ़ता है, जो मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए नुकसानदायक है। वैज्ञानिकों ने पराली प्रबंधन के लिए 'हैप्पी सीडर' जैसी मशीनों के उपयोग की सलाह दी है। इससे फसल अवशेष मिट्टी में मिलकर प्राकृतिक खाद का कार्य करते हैं, जिससे मिट्टी में नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश की मात्रा बढ़ती है तथा रासायनिक उर्वरकों पर खर्च में 15 से 20 प्रतिशत तक कमी आती है। जिला कृषि पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि कंबाइन हार्वेस्टर मालिकों से भी शपथ पत्र लिया गया है ताकि पराली न जलाने के नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। प्रशासन द्वारा कृषि सलाहकारों, समन्वयकों और तकनीकी प्रबंधकों के माध्यम से 'किसान चौपाल' आयोजित कर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में जिले में पराली जलाने की घटनाएं नगण्य हैं, क्योंकि अधिकांश किसान इसका उपयोग पशु चारे के रूप में कर रहे हैं। इसके बावजूद यदि कोई किसान नियमों का उल्लंघन करता पकड़ा गया, तो उसके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बिहटा के रामतरी में वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने भाग लिया

लोकतंत्र की शान, पटना

एक्सेस डेवलपमेंट सर्विसेज, पटना ने सोमवार को बिहटा प्रखंड के रामतरी गांव में एक वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में महिलाओं सहित ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजनों को डीईए फंड और विभिन्न बैंकिंग योजनाओं का लाभ पहुंचाना था। इसका लक्ष्य 'हर नागरिक तक बीमा, हर जीवन सुरक्षित' के विजन को साकार करना है।

प्रशिक्षक और क्षेत्र समन्वयक बबलू कुमार ने बताया कि भारत तेजी से बढ़ते बीमा कवरेज के साथ सामाजिक सुरक्षा को मजबूत कर रहा है। उन्होंने विजन 2047 के तहत प्रत्येक नागरिक को बीमा से जोड़ने पर जोर दिया। भारत वर्तमान में विश्व का 10वां सबसे बड़ा बीमा बाजार है और अनुमान है कि वर्ष 2032 तक यह 6वां सबसे बड़ा बाजार बन जाएगा। बढ़ता प्रीमियम, करोड़ों पॉलिसियां और लाखों करोड़ के क्लेम एक विश्वसनीय बीमा तंत्र का संकेत देते हैं।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना में 26.88 करोड़ से अधिक और अटल पेंशन योजना में 9 करोड़ से अधिक लोगों का नामांकन दर्शाता है कि देश विकसित भारत 2047 की दिशा में अग्रसर है। प्रशिक्षण के दौरान आमजनों को अपनी उम्र के अनुसार विभिन्न बीमा और पेंशन योजनाओं से जुड़ने की सलाह दी गई।

होटल कारोबारी को गोली मारने वाले युवक को मिली बेल, कस्टम अधिकारी का बेटा है

लोकतंत्र की शान, पटना

16 फरवरी की देर रात बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र के मोहिनी मोड़ के पास वर्चस्व की लड़ाई में दो गुट आपस में भिड़ गए थे। घटना में शामिल कस्टम अधिकारी के बेटे प्रिंस को पटना हाई कोर्ट से जमानत मिल गई है। प्रिंस ने एंटीसिपेटरी बेल फाइल की थी। प्रिंस को बेल मिलने के बाद उसके दूसरे साथी निशु मोहित और भोलू नेवी एंटीसिपेटरी बेल फाइल की है। जिस पर पटना हाई कोर्ट में सुनवाई चल रही है।

बताया गया कि लड़ाई से पहले सभी ने बोरिंग रोड पार्किंग में मोहित नाम के युवक का बर्थडे सेलिब्रेट किया था। इस पार्टी में सभी ने केक काटने के बाद जमकर शराब पी थी। इसी दौरान किसी बात पर विवाद हुआ और मोहिनी मोड़ पहुंचते ही मारपीट और फायरिंग होने लगी। तकरीबन सात राउंड से अधिक फायरिंग हुई।

7.65 एमएम के 7 खोखे मिले थेः पुलिस ने घटना के बाद मौके से 7.65 एमएम के 7 खोखे बरामद किए थे। इसी विवाद के दौरान पूर्वी चंपारण छतौनी का रहने वाला होटल कारोबारी विकास गोली लगने से घायल हो गया। इसके बाद पुलिस ने एक अपने बयान और एक घायल विकास के बयान पर दो FIR दर्ज की। घटना के बाद प्रिंस, भोलू, निशु, मोहित, एंथोनी, दीपक, छोटू का नाम सामने आया। इन लोगों की गिरफ्तारी के लिए पटना पुलिस लगातार दबिश देती रही। यहां तक उनकी घरों पर इश्तहार भी चश्पा किया गया। हालांकि कोशिश के बावजूद भी पुलिस पिछले 2 महीने में आरोपियों को पकड़ने में विफल रह गई।

♦ बाकी 3 आरोपियों ने भी फाइल की एंटीसिपेटरी बेल

कोर्ट ने मांगा एविडेंसः कोर्ट में इस घटना से संबंधित एविडेंस पुलिस से मांगा है। अगली सुनवाई पर केस के इन्वेस्टिगेशन पदाधिकारी को तलब किया गया है। घटना के बाद एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया था। जिसे पुलिस पुख्ते एविडेंस के तौर पर मानकर चल रही है। कोर्ट के सामने पुलिस की ओर से यह सीसीटीवी फुटेज एविडेंस के तौर पर दिया जा सकता है।

बाढ़ में सोते हुए भाई के पेट में मारा चाकू, पहले से चल रहा था विवाद

लोकतंत्र की शान, पटना

पटना जिले के बाढ़ थाना क्षेत्र के सिकंदरा गांव में पारिवारिक विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पहले से चले आ रहे विवाद को लेकर बड़े भाई ने सो रहे छोटे भाई पर चाकू से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना सोमवार सुबह हुई, जहां आरोपी रविंद्र राय ने अपने छोटे भाई मनीष कुमार के पेट पर चाकू से वार किया। हमले के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। परिजनों ने घायल मनीष कुमार को फौरन अनुमंडलीय अस्पताल बाढ़ ले जाकर भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज जारी है।

पहले से चल रहा था विवादः घायल मनीष कुमार ने बताया कि, पुराने विवाद को लेकर उसका भाई पहले से नाराज था। सोमवार सुबह वह सो रहा था, तभी रविंद्र राय ने उस पर अचानक चाकू से हमला कर दिया। स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक, दोनों भाइयों के बीच पिछले एक दिन से विवाद चल रहा था, जो सुबह हिंसा में बदल गया।

पुलिस जांच में जुटी, आरोपी फरारः घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। बाढ़ थाना के सब इंस्पेक्टर अमरनाथ सिंह ने बताया कि, उन्हें दो भाइयों के बीच मारपीट और चाकूबाजी की सूचना मिली थी। घायल का इलाज करवाया जा रहा है और मामले की जांच जारी है। फिलहाल आरोपी रविंद्र राय फरार है।

आरोपी बड़ा भाई फरार, तलाश जारी

इलाके में बढ़ रहीं आपराधिक घटनाएंः इन दिनों बाढ़ क्षेत्र में हाल के दिनों में आपराधिक घटनाएं बढ़ी हैं। हाल ही में राणाबीघा गांव में भी चाकूबाजी की घटना सामने आई थी, जिसके बाद अब सिकंदरा गांव में यह वारदात हुई है। लगातार हो रही घटनाओं से स्थानीय लोगों में डर का माहौल है।

भूतनाथ से मलाही पकड़ी तक मेट्रो का ट्रायल रन, हरी झंडी मिलने पर 2 नए स्टेशन का सीएम करेंगे उद्घाटन

लोकतंत्र की शान, पटना

भूतनाथ से मलाही पकड़ी मेट्रो स्टेशन तक आज मेट्रो का ट्रायल रन होगा। CMRS (कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी) की टीम आज पटना पहुंची है। दो नए स्टेशनों-खेमनीचक और मलाही पकड़ी का निरीक्षण किया है। फिलहाल अधिकारियों की मीटिंग चल रही है। इसके बाद ट्रायल रन शुरू होगा। आज सुबह से ही पटना मेट्रो आम पब्लिक के लिए बंद है। मंगलवार से पाटलिपुत्रा बस टर्मिनल मेट्रो स्टेशन से फिर से यात्रियों के लिए मेट्रो सेवा बहाल हो जाएगी।

कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी से हरी झंडी मिलने के बाद दौड़ेगी मेट्रोः कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेल सेफ्टी (CMRS) की टीम को मार्च में ही आने वाली थी, लेकिन अपरिहार्य कारणों से वो पटना नहीं पहुंची। CMRS की हरी झंडी मिलने के बाद ही आगे मेट्रो दौड़ेगी। दो नए स्टेशनों का उद्घाटन मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा। इस दौरान टीम मलाही पकड़ी और खेमनीचक स्टेशन के ट्रैक, सिग्नलिंग सिस्टम, प्लेटफॉर्म सुरक्षा व्यवस्था, यात्री सुविधाएं और अन्य तकनीकी पहलुओं की बारीकी से जांच करेगी। सभी तकनीकी और सुरक्षा मानकों पर खरे उतरने के बाद उद्घाटन की तारीख तय होगी।

भूतनाथ से मलाही पकड़ी तक हुआ था ट्रायलः मेट्रो का भूतनाथ से मलाही पकड़ी तक 26 फरवरी को मेट्रो की टीम द्वारा पहला ट्रायल किया गया था। पटना मेट्रो पहली बार शहर के अंदर दौड़ी थी। भूतनाथ से मलाही पकड़ी तक 2.75 किमी में मेट्रो का ट्रायल रन किया गया था।

इस दौरान सिग्नलिंग सिस्टम की कैपिसिटी, ब्रेकिंग सिस्टम का प्रदर्शन, ट्रैक और ओवरहेड इलेक्ट्रिफिकेशन सिस्टम, स्टेशन समन्वय और संचार व्यवस्था, आपातकालीन सुरक्षा प्रोटोकॉल, ट्रेन को निर्धारित अधिकतम गति तक चलाकर सभी सुरक्षा मानकों का परीक्षण किया गया था।

बिहार में आंधी-बारिश, 3 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट

लोकतंत्र की शान, पटना

बिहार इस समय मौसम के दोहरे मिजाज से जूझ रहा है। एक तरफ दक्षिण बिहार में भीषण गर्मी है, तो दूसरी तरफ सीमांचल में आंधी, बारिश और आकाशीय बिजली ने तबाही मचाई है। रोहतास का डेहरी 43.2 डिग्री तापमान के साथ सबसे गर्म रहा। कैमूर में भी पारा 43 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि 8 जिलों का तापमान 40 डिग्री के पार दर्ज किया गया। भोजपुर में गर्मी की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई।

वहीं, बिहार के अलग-अलग जिलों में आंधी-बारिश और ठनका गिरने से 5 लोगों की जान चली गई। रक्सौल, मधुबनी समेत 10 जिलों में बारिश हुई, जबकि सुपौल, कटिहार और अररिया में दर्जनों घर क्षतिग्रस्त हो गए। मौसम विभाग ने आज भी 3 जिलों में आंधी-बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में 50 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। वहीं, बाकी 25 जिलों में भीषण गर्मी लोगों को परेशान करेगी। इधर, दक्षिण बिहार में भीषण गर्मी को देखते हुए नालंदा और बक्सर में स्कूल और सभी शैक्षणिक संस्थाओं के टाइमिंग में बदलाव किया गया है। गर्मी को सरकार की तरफ से बच्चों के लिए गाइडलाइन जारी किया गया है। अब बसों सार्वजनिक बसों में यात्रियों के लिए पीने का पानी, ORS और फर्स्ट एड किट रखना अनिवार्य कर दिया है। नालंदा में 1 से 8वीं तक के सभी सरकारी और प्राइवेट स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र 12.30 बजे तक ही चलेंगे।

सम्राट चौधरी की बुलडोजर कार्रवाई पर चिराग ने दी नसीहत

कहा- किसी गरीब को परेशानी नहीं होनी चाहिए, शराबबंदी कानून में सुधार की मांग की

लोकतंत्र की शान, पटना

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बिहार में चल रहे बुलडोजर एक्शन और शराबबंदी कानून पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, अवैध तरीके से बने मकानों पर कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन इस दौरान यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी गरीब और हकदार परिवार के साथ अन्याय न हो। साथ ही उन्होंने शराबबंदी कानून की मंशा को सही बताते हुए इसके क्रियान्वयन में सुधार की जरूरत पर जोर दिया।

बुलडोजर कार्रवाई पर संतुलित रुखः बिहार सरकार के अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए चलाए जा रहे बुलडोजर अभियान पर प्रतिक्रिया देते हुए चिराग पासवान ने कहा कि जो भी मकान या निर्माण अवैध तरीके से सरकारी जमीन पर किए गए हैं, उन पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने माना कि राज्य सरकार को अतिक्रमण के खिलाफ सख्त रुख अपनाने का अधिकार है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन को यह ध्यान रखना चाहिए कि किसी ऐसे परिवार का घर न तोड़ा जाए जिसका उस जमीन पर वैध अधिकार हो। उनके मुताबिक कार्रवाई के नाम पर गरीब और जरूरतमंद लोगों को परेशान नहीं किया जाना चाहिए।

गरीबों के लिए पहले हो वैकल्पिक व्यवस्थाः चिराग पासवान ने कहा कि उनकी पार्टी हमेशा से यह मांग करती रही है कि यदि किसी गरीब परिवार का घर हटाया जाता है, तो पहले उनके रहने की वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि बिना पुनर्वास की व्यवस्था किए किसी का आशियाना उजाड़ना उचित नहीं है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि मानवीय संवेदनाओं को ध्यान में रखते हुए बुलडोजर कार्रवाई की जाए, ताकि कानून का पालन भी हो और गरीबों के अधिकारों की रक्षा भी हो सके।

शराबबंदी कानून पर बोलते हुए चिराग पासवान ने कहा कि इस कानून के पीछे सरकार की सोच गलत नहीं है, लेकिन इसके लागू होने के तरीके में कई कमियां हैं, जिन्हें दुरुस्त करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जहरीली शराब की घटनाओं ने कई परिवारों को तबाह किया है, जिससे यह साफ है कि कानून का प्रभावी क्रियान्वयन अभी भी चुनौती बना हुआ है। उन्होंने कहा, सीमावर्ती क्षेत्रों से शराब की तस्करी लगातार हो रही है, जिस पर सरकार को सख्त निगरानी रखनी चाहिए। चिराग पासवान के मुताबिक, शराबबंदी तभी सफल होगी जब कानून पूरी तरह जमीन पर प्रभावी ढंग से लागू हो और अवैध शराब के नेटवर्क पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

संक्षिप्त समाचार

सोनीपत में जनस्वास्थ्य कर्मचारी यूनियन की चुनावी सभा संपन्न, नई जिला कमेटी का गठन

सोनीपत : दिनांक 27 अप्रैल 2026 सोमवार को हुड्डा जनस्वास्थ्य कर्मचारी यूनियन नंबर 1266 जिला कमेटी सोनीपत संबंधित - हरियाणा सयुक्त कर्मचारी मंच की एक चुनावी सभा सुबह 10:00 बजे यूनियन ऑफिस एच.एस.वी.पी. कंपलेक्स सेक्टर 15 सोनीपत में आयोजित की गई। इस चुनावी सभा की अध्यक्षता यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष-आर.के. नागर व श्री सुरेश मदीना ने की, सुरेश रोहिल्ला राज्य उप प्रधान तथा विजेंद्र रिवाल राज्य सलाहकार ने चुनावी सभा का संचालन किया। सभा में 01 मई को मई दिवस /मजदूर दिवस इसी स्थान पर मनाने का फैसला लिया गया है। उपरोक्त नेताओं की देखरेख में जिला कमेटी सोनीपत का चुनाव सर्वसम्मति से निम्न प्रकार कराया।

1- जिला प्रधान श्री- सुरेन्द्र कुमार।

2- जिला उप प्रधान सर्व श्री- सुनील विढला, शमशेर सिंह, जोगिंद्र सिंह।

3- जिला सचिव श्री- योग प्रकाश।

4- लेखा निरीक्षक श्री- योग प्रकाश।

5- जिला कैशियर श्री- अरुण।

6- संगठन सचिव श्री- जगबीर।

7- प्रचार सचिव श्री- जीवन लाल, शुभम, राकेश चांवरिया।

8- प्रैस सचिव श्री- ध्रुव कुमार।

9- सलाहकार श्री–अश्विनी शर्मा, सुरेश रोहिल्ला, बिजेंद्र रिवाल, बंसी लाल।

नोट :- नवगठित जिला कमेटी ने हरियाणा सरकार से अनुरोध किया है कि, जॉब सुरक्षा गारंटी के पत्र देने में बार-बार समय और डेट ना बढ़ाई जाए। जो की तीन बार बढ़ाई जा चुकी है। अप्रैल फिर मई, अब 15 जून की घोषणा माननीय मुख्यमंत्री जी ने की है। इस प्रकार बार-बार समय बढ़ाने के बयानों से कौशल रोजगार निगम कर्मचारियों में भय और चिंता बनी हुई है।

प्रसूता मौत मामले में तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः सोमवार को हसनपुर कोतवाली पुलिस में प्रसूता मौत मामले में अस्पताल के चिकित्सक सहित तीन लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की है तथा अग्रिम जांच एवं कार्यवाही जारी है, बता ते चलें कि यह घटना 23 अप्रैल की रात की है गजरौला थाना क्षेत्र के गांव सुल्तानठेर निवासी नेपाल सिंह ने अपनी पत्नी रजनी को प्रसव पीड़ा होने पर हसनपुर बायपास मार्ग स्थित केयर 24 हॉस्पिटल एंड ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया था,

परिजनों के अनुसार अस्पताल के डॉक्टर हरकेश और उनके सहयोगी बाली तथा रणवीर ने बिना किसी ऑपरेशन के बच्चा होना संभव नहीं है कहकर तथा बिना किसी प्रारंभिक मेडिकल जांच के रजनी को ऑपरेशन थिएटर में ले गए ऑपरेशन के लिए परिजनों से 45000 रुपए भी जमा कराए गए वहीं ऑपरेशन के बाद महिला ने एक स्वस्थ बच्चे को जन्म दिया लेकिन प्रसूता की हालत बिगड़ने लगी आरोप है कि गलत तरीके से किए गए ऑपरेशन के कारण प्रसूता को अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा जब स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई तोअस्पताल प्रबंधन ने उसे एक अन्य अस्पताल के लिए रेफर कर दिया, हालांकि दूसरे अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही महिला ने दम तोड़ दिया, मौत की खबर मिलते ही, परिजनों ने महिला के शव को अस्पताल के सामने रखकर जोरदार हंगामा किया था, सूचना मिलने पर पुलिस और स्वास्थ्य विभाग पहुंची थी स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर को सील कर दिया था, पुलिस ने सब को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था तथा पति नेपाल सिंह की तहरीर पर पुलिस ने कार्यवाही की, इस संबंध में कोतवाल राजेश कुमार तिवारी ने बताया कि मुख्य आरोपी डॉक्टर हरकेश, सहयोगी हसनपुर निवासी बाली और रणवीर निवासी रुद्रपुर के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है पुलिस मामले की जनता से जांच कर रही है 1

संभलः विकास की रफ्तार तेज, वार्ड 7 और 28 में सीसी सड़क निर्माण का निरीक्षण करते चेयमैन पति चौधरी मुशीर अली खान

लोकतंत्र की शान ,सैय्यद कुमैल ज़ैदी , संभल नगर पालिका परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 7 एवं वार्ड संख्या 28, फुलवार मियां सराय में चल रहे सीसी सड़क निर्माण कार्य का आज चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ वार्ड सदस्य मोहम्मद फुरकान भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान कार्य की गुणवत्ता, निर्माण सामग्री और समयबद्ध प्रगति का बारीकी से जायजा लिया गया। चेयरमैन पति चौधरी मुशीर अली खान ने संबंधित

अधिकारियों और ठेकेदार को स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर की जनता को बेहतर सुविधाएं देना नगर पालिका परिषद की प्राथमिकता है और विकास कार्यों में गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होगा। इस अवसर पर नगर पालिका परिषद संभल के अधिशासी अधिकारी मणि भूषण तिवारी की कार्यशैली की भी सराहना की गई। उनके कुशल नेतृत्व और सक्रिय निगरानी में नगर में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। साफ-सफाई, सड़क निर्माण और जनसुविधाओं के क्षेत्र में हो रहे सुधारों को लेकर स्थानीय लोगों में भी संतोष और खुशी का माहौल है। वार्ड सदस्य मोहम्मद फुरकान ने बताया कि लंबे समय से क्षेत्र की जनता सीसी सड़क की मांग कर रही थी, जिसे अब पूरा किया जा रहा है। उन्होंने नगर पालिका प्रशासन और चेयरमैन प्रतिनिधि का आभार व्यक्त किया। स्थानीय नागरिकों ने भी निर्माण कार्य को लेकर प्रसन्नता जताई और उम्मीद जताई कि इसी तरह नगर में विकास कार्य लगातार होते रहेंगे, जिससे संभल को एक आदर्श नगर के रूप में विकसित किया जा सके।

जिला प्रशासन की सजगता और सतर्कता से रूका बाल विवाह

» सीजीएम न्यायालय द्वारा व्यादेश (इंजंक्शन ऑर्डर) जारी

लोकतंत्र की शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी : कटनी शहर के माधव नगर क्षेत्र में सोमवार को होने जा रहे बाल विवाह को कलेक्टर श्री आशीष तिवारी द्वारा गठित महिला एवं बाल विकास एवं राजस्व विभाग की संयुक्त कोर टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए रोक दिया। साथ ही न्यायालय द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 अंतर्गत व्यादेश भी जारी किया गया।

महिला एवं बाल विकास और राजस्व की संयुक्त टीम ने की कार्यवाही–महिला एवं बाल विकास विभाग कटनी को चाइल्ड हेल्प लाइन के माध्यम से कटनी शहर अंतर्गत माधव नगर क्षेत्र में बाल विवाह होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना प्राप्त होने पर महिला एवं बाल विकास विभाग एवं राजस्व की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर जाँच की गई। बालिका की आयु सम्बन्धी दस्तावेजों की जाँच से पाया गया कि बालिका की आयु 18 वर्ष से कम है। परिजनों को समझाया गया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 अंतर्गत 18 वर्ष से कम आयु की बालिका का विवाह बाल विवाह है। ऐसा करना कानूनन अपराध है। मौके पर पंचनामा भी तैयार किया गया। प्रशासनिक टीम द्वारा समझाये जाने पर परिजन सहमत हो गये कि वे 18 वर्ष से पूर्व बालिका का विवाह नहीं करेंगे। संयुक्त टीम में वनश्री कुर्वेती, सहायक संचालक, महिला एवं बाल विकास, कटनी, आकाश नीरज, तहसीलदार कटनी, मनीष तिवारी, बाल संरक्षण अधिकारी, शैली तिवारी, प्रभारी प्रशासक, वन स्टॉप सेंटर, कटनी, प्रीती उपाध्याय, प्रभारी परियोजना अधिकारी, कटनी शहरी एवं दुर्गेश, सदस्य, बाल कल्याण समिति, कटनी सम्मिलित रहे।

एलजी की नई पहल से बढ़ेगी खेती की ताकत

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। किसानों के सम्मान और उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने की दिशा में अब निजी कंपनियां भी आगे आ रही हैं। इसी कड़ी में एलजी कंपनी ने किसानों के हित में एक सराहनीय पहल की शुरुआत की है, जिससे क्षेत्र के किसानों को आधुनिक तकनीक और सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। जानकारी के अनुसार एलजी कंपनी द्वारा किसानों को उन्नत कृषि उपकरण, बेहतर तकनीकी मार्गदर्शन और खेती को लाभकारी बनाने के लिए विशेष योजनाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों के खेती की उत्पादन क्षमता बढ़ाना और उनकी आय में वृद्धि करना है।कंपनी के प्रतिनिधियों ने बताया कि आज के दौर में आधुनिक तकनीक के बिना खेती को लाभकारी बनाना कठिन होता जा रहा है। ऐसे में एलजी कंपनी की यह पहल किसानों को नई तकनीकों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। स्थानीय किसानों ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि यदि उन्हें समय-समय पर तकनीकी सहयोग और

संसाधन मिलते रहें, तो वे बेहतर उत्पादन कर सकते हैं और अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बना सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की पहल न केवल किसानों के सम्मान को बढ़ाती है, बल्कि कृषि क्षेत्र में नवाचार को भी प्रोत्साहित करती है। आने वाले समय में यदि और कंपनियां भी इसी तरह आगे आती हैं, तो किसानों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकता है।

गौ सम्मान आह्वान अभियान गोमाता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा देने हेतु, मुख्यमंत्री प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को दिया ज्ञापन

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनीः गौ सम्मान आह्वान अभियान (27 अप्रैल 2026) के को, गोवंश को राष्ट्रीय सम्मान दिलाने, गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने, और गोमाता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा देने हेतु, तहसील/जिला कटनी को पर प्रशासन (राष्ट्रपति, पीएम, सीएम के नाम) प्राथना पत्र सौपा गया जाने वाले प्रार्थना पत्र का मुख्य उद्देश्य गौवंश की रक्षा व संवैधानिक सम्मान सुनिश्चित करना है। कटनी में गौ सम्मान आह्वान अभियान को मुख्यरेल्वे स्टेशन हनुमान मन्दिर से विशाल वाहन रैली का आयोजन किया गया. जो रेल्वे स्टेशन से प्रारंभ होकर सुभाष चौक, मिशन चौक आजाद चोक. चांडक चौक, होकर विश्राम

बाबा होते हुए, SDM , को ज्ञापन प्रेषित किया गया ! इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला प्रभारी करण मिश्रा सह प्रभारी सतीश सोनी जी संभाग प्रभारी आशु(सैलेश भदोरिया. ब्रामहंन समाज के अध्यक्ष राकेश मिश्रा वहिप् विभाग सह मंत्री विनीत तिवारी जी, बजरंगदल जिला सयोजक मनीष दुबे जी मीडिया प्रभारी दीपु पटेल जी, अमन कटनी भाई. अभय पांडे.गौ सेविका श्रेया भासानी, पंकज अरखा. बिट्टू गुप्ता. मनीष सिंह. युवराज मखीजा. निरुध प्रताप सिंह. प्रमोद पाठक राहुल तिवारी हिमांशु प्यासी. कान्हा . शिवम सेन. मनीष साहू, इंद्रा मिश्रा संतोष पांडे.सेकडों की संख्या मे गौ भक्त उपस्थित रहे सभी गौ भक्तो का बहुत बहुत आभार व्यक्त करता हूँ. !*

ससुराल में युवक ने लगाई फांसी शादी की खुशियों में पसरा मातम

» परिजनों ने लगाए ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। शहर के जमोड़ी थानांतर्गत अधियारखोह में एक युवक द्वारा ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना के बाद शादी की खुशियों में मातम पसर गया। मृतक की पहचान अशोक साकेत पिता समय लाल साकेत 20 वर्ष निवासी बरमानी थाना मझौली के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार अशोक साकेत 24 अप्रैल 2026 को अपनी ससुराल अधियारखोह आया था, जहां उसकी बड़ी साली की शादी का कार्यक्रम चल रहा था। 26 अप्रैल को बारात आई और 27 अप्रैल 2026 को करीब दोपहर 1 बजे बारात की विदाई हुई। इस दौरान मृतक का

बड़ा भाई संतोष साकेत भी मौके पर मौजूद था, जो विदाई के बाद अपने घर बरमानी लौट गया। परिजनों के अनुसार, संतोष साकेत के घर पहुंचते ही ससुराल पक्ष से फोन आया कि उसके भाई अशोक ने फांसी लगा ली है। बताया जा रहा है कि सोमवार को लगभग दोपहर 3 बजे अशोक साकेत ने ससुराल स्थित दिनेश साकेत के पक्के मकान में बने लोहे के रोशनदान में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मृतक के बड़े भाई संतोष साकेत ने आरोप लगाया है कि जब वह वहां से निकला था, तब उसके भाई में किसी प्रकार की नाराजगी या तनाव नहीं था। उसने आशंका जताई है कि उसके जाने के बाद क्या हुआ, यह जांच का विषय है। साथ ही उसने दिनेश साकेत एवं उनके परिवार को इस घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया है। घटना की जानकारी मिलते ही शादी का माहौल मातम में बदल गया। सूचना पर पहुंची जमोड़ी पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और आत्महत्या के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग में नहीं हो रहा कमिश्नर के आदेश का पालन

» मामला नियम विरुद्ध सिहावल बीएमओ बनाने का

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। जिले में स्वास्थ्य विभाग से जुड़ा एक विवादित मामला सामने आया है, जिसमें नियमों की अनदेखी और प्रशासनिक आदेशों की अवहेलना के आरोप लग रहे हैं। मामला सिहावल में खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) की नियुक्ति से जुड़ा है, जहां डॉ. रिकेश शर्मा को नियमों के विरुद्ध जिम्मेदारी सौंपे जाने पर सवाल उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बबीता खरे द्वारा 11 मार्च 2026 को आदेश जारी कर डॉ. रिकेश शर्मा को सिहावल का खंड चिकित्सा अधिकारी नियुक्त किया गया। जबकि इससे पहले लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त तरुण राठी द्वारा 14 अगस्त 2025 को स्पष्ट निर्देश जारी किए गए थे कि पीजी चिकित्सा अधिकारियों से केवल चिकित्सकीय कार्य ही लिया जाए, न कि प्रशासनिक या कार्यालयीन कार्य। इस नियुक्ति को लेकर ग्राम नकवेल, तहसील चुरहट निवासी एल.बी. सिंह ने 16 मार्च 2026 को रीवा कमिश्नर के समक्ष शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में वरिष्ठ कार्यालयों के आदेशों का हवाला देते हुए नियुक्ति को नियम विरुद्ध बताया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए रीवा कमिश्नर सुदेश कुमार मालवीय ने 26 मार्च 2026 को क्षेत्रीय संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं रीवा संभाग को निर्देशित किया कि उक्त आदेश को निरस्त कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। हालांकि, कमिश्नर के स्पष्ट निर्देश के बावजूद एक माह बीत जाने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं और यह मामला अब चर्चा का विषय बन गया है।

भ्रष्टाचार को लेकर चर्चा में रहे रिकेश

डॉ. रिकेश शर्मा पर पहले से ही भ्रष्टाचार और अवैध वसूली के आरोप लगते रहे हैं। आरोप है कि वे सिहावल में सोनोग्राफी जांच के नाम पर 500 रुपये तक की फीस वसूलते हैं, जिसकी कई बार उच्च स्तर पर शिकायत भी की जा चुकी है। हाल ही में सिहावल विधायक विश्वामित्र पाठक की उपस्थिति में आयोजित बैठक में भी जनप्रतिनिधियों ने इस मुद्दे को उठाया। शिकायत सुनने के बाद विधायक ने मौके पर ही डॉ. शर्मा को फटकार लगाई थी। इसके बावजूद, स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध वसूली का सिलसिला अब भी जारी है। वहीं लोग यह भी कह रहे हैं कि "लगी बानि न छूटय भले जीभ जरि जाय" ऐसे में सवाल यह उठता है कि जब उच्च स्तर से आदेश जारी हो चुके हैं, तो आखिर कार्रवाई में देरी क्यों हो रही है। यह मामला न केवल स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि प्रशासनिक जवाबदेही की भी परीक्षा ले रहा है।

गौ सम्मान आवाहन अभियान का सौंपा गया प्रार्थना पत्र

गौ माता की सेवा, सबसे बड़ी सेवा

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। सभी गौप्रेमी एवं सनातन धर्म प्रेमियों ने गौमाता को उचित सम्मान और अधिकार दिलाने के इस पावन प्रयास में आवेदन पत्र तहसीलदार के माध्यम से कुल चार संवैधानिक पदों हेतु आवेदन पत्र दिए गए प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री। प्रत्येक आवेदन पत्र के अंत में हस्ताक्षर सीट संलग्न है। गौ सेवक एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करें और गौमाता के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें । पूजा पार्क से चलकर तहसील कार्यालय कलेक्ट्रेट सीधी मैं दोपहर 12:00 तहसीलदार गोपद वनास को गौमाता के सम्मान एवं सुरक्षा हेतु प्रार्थना पत्र सोपा गया गौ माता की रक्षा में ही धर्म की रक्षा है। अपने परिवार की सुख-समृद्धि और गौ माता का आशीर्वाद पाने हेतु अपना अमूल्य समय गौ सेवकों ने दिया। जिला प्रभारी महेंद्र सराफ ने कहा कि आपकी उपस्थिति ही इस मुहिम की शक्ति है। गौप्रेमी एवं सनातनी भाइयों में मुख्य रूप एडवोकेट उदय कमल

मिश्रा, जिला एवं तहसील प्रभारी गौ सम्मान अभियान महेंद्र सराफ, श्रीगुरु बजरंग संघ प्रांत प्रचारक धीरेंद्र सिंह परिहार, सद् विप्र समाज के अध्यक्ष अंशुमान सिंह चौहान, एडवोकेट श्रवण मिश्रा, समाजसेवी द्रोणाचार्य तिवारी, बजरंग दल जिला सहसंयोजक अशोक गुप्ता, विश्व हिंदू परिषद जिला मंत्री अनिल मिश्रा, अशोक तिवारी आदि सम्मानित जन उपस्थित रहे।

गोवंश को 'राष्ट्र माता' घोषित करने और कठोर कानून बनाने की मांग, राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः गोवंश के संरक्षण और गोहत्या जैसे जघन्य अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए सोमवार को हसनपुर तहसील परिसर में 'गो सम्मान आवाहन अभियान' के बैनर तले गो प्रेमियों ने तहसीलदार लकी सिंह को महामहिम राष्ट्रपति, राज्यपाल और मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सौंपा। इस ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि गोवंश को 'राष्ट्र माता' का दर्जा दिया जाए और गोहत्या करने वालों के खिलाफ आजीवन कारावास जैसे कठोर दंडात्मक प्रावधान किए जाएं। अभियान के अध्यक्ष अतुल अग्रवाल के नेतृत्व में जुटे गौ प्रेमीयो ने कहा कि संपूर्ण भारत में गोवंश

की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इसे 'संज्ञेय और गैर-जमानती' अपराध की श्रेणी में रखा जाना चाहिए। ज्ञापन में मुख्य रूप से समस्त राज्यों में प्रचलित अलग-अलग गो-संरक्षण अधिनियमों को निरस्त कर एक 'केंद्रीय गौ सेवा एवं संरक्षण अधिनियम' लागू किया जाए।पशुपालन विभाग से अलग एक पूर्णतः स्वतंत्र 'गोपालन मंत्रालय' का गठन हो। गोहत्या और तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की चल-अचल संपत्ति को कुर्क करने और तस्करी में प्रयुक्त वाहनों को बिना किसी जमानत के तत्काल जब्त कर नीलाम करने का कानून बने।गोवंश की सुरक्षा और ट्रैकिंग के लिए विशिष्ट पहचान कार्ड (आधार पद्धति के समान) जारी किए जाएं ताकि उनकी अवैध आवाजाही रोकी जा सके। गो प्रेमियों ने चेतावनी दी कि पशु मेलों की आड़ में बड़े पैमाने पर तस्करी हो रही है। उन्होंने मांग की कि गोवंश का क्रय-विक्रय केवल पंजीकृत किसानों के बीच कृषि और डेयरी कार्यों तक ही सीमित होना चाहिए। इस अवसर पर अभियान प्रमुख अतुल अग्रवाल, राष्ट्रसेवी संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा, कोविंदर सिंह, एडवोकेट चंद्रसैन अग्रवाल, सुर्भित गुप्ता, राजीव शर्मा, मंगल सेन शर्मा, राहुल हिंदुस्तानी, अंकुर प्रजापति आदि सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहें 1

अमानगंज–दमोह मार्ग पर डंपरों का कब्जा, जर्जर सड़क और जाम से जनता बेहाल

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

पन्ना/ अमानगंज-दमोह मुख्य मार्ग पर स्थित जे.के. सीमेंट फैक्ट्री के समीप पुरैना और सिमरिया के पास इन दिनों राहगीरों का चलना दूभर हो गया है। फैक्ट्री में आने-जाने वाले भारी-भरकम डंपर और ट्रक बीच सड़क पर ही बेतरतीब ढंग से खड़े रहते हैं, जिसके कारण इस मार्ग पर आए दिन भीषण जाम लग रहा है और हादसों का ग्राफ तेजी से बढ़ रहा है।

खूनी सड़क में तब्दील हो रहा मार्ग–स्थानीय निवासियों का कहना है कि सड़क के दोनों ओर डंपरों की लंबी कतारें लगी रहती हैं, जिससे मोड़ पर सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते। रात के समय स्थिति और भी भयानक हो जाती है। पुलिस प्रशासन की ढिलाई के चलते वाहन चालक बेखौफ होकर मुख्य मार्ग पर ही गाड़ियां पार्क कर रहे हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि थाना पुलिस इन अवैध रूप से खड़े डंपरों पर सख्त चालानी कार्यवाही करे ताकि यातायात सुगम हो सके।

उखड़ चुकी है डामर, धूल से लोग परेशान–भारी वाहनों के अत्यधिक दबाव के कारण सड़क पूरी तरह उखड़ चुकी है। पूरी सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे दोपहिया वाहन चालक आए दिन गिरकर चोटिल हो रहे हैं। सड़क की जर्जर हालत और उड़ती धूल ने आसपास के ग्रामीणों का जीना मुहाल कर दिया है।

सिक्स लेन मार्ग की उठ रही मांग–क्षेत्र में बढ़ते औद्योगिकीकरण और वाहनों की भारी आवाजाही को देखते हुए अब इस मार्ग को सिक्स लेन (6-Lane) बनाने की मांग जोर पकड़ने लगी है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि वर्तमान सड़क की चौड़ाई इतने भारी ट्रैफिक को झेलने में सक्षम नहीं है। शासन-प्रशासन को भविष्य की जरूरतों को देखते हुए तत्काल इस मार्ग के चौड़ीकरण का प्रस्ताव तैयार करना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

1981 में भी होटल में अमेरिकी-राष्ट्रपति पर फायरिंग हुई थी, आरोपी हॉलीवुड फिल्म से प्रभावित था

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में शनिवार रात सालाना व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान फायरिंग हो गई। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भी मौजूद थे। यह घटना वॉशिंगटन हिल्टन होटल में हुई। करीब 60 साल पुराना यह होटल अपने एम (M) आकार के डिजाइन के लिए जाना जाता है। यहां लंबे समय से व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स डिनर होता आ रहा है। इसके अलावा फर्स्ट लेडी लंच और नेशनल प्रेयर ब्रेकफास्ट जैसे बड़े कार्यक्रम भी यहीं आयोजित होते हैं। इस होटल का इतिहास भी काफी चर्चित रहा है। करीब 45 साल पहले यहीं तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन पर जानलेवा हमला हुआ था, जिसमें वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। यह हमला जॉन डब्ल्यू हिंकली जूनियर ने किया था। उसने एक फिल्म अभिनेत्री को प्रभावित करने के लिए राष्ट्रपति पर 1.7 सेकेंड में छह गोलियां चला दी थीं। घटना 30 मार्च 1981 की है। रीगन वाशिंगटन डीसी में एक मीटिंग में शामिल होने के बाद अपनी कार की तरफ जा रहे थे। उनके चारों तरफ मीडिया और लोगों की भीड़ थी। अचानक उसी भीड़ से निकलकर एक शख्स ने रीगन पर फायरिंग शुरू कर दी। रीगन पर पांच गोलियां दागी गईं, लेकिन वे हर गोली से बच गए। छठी गोली से भी वे बच ही गए थे, लेकिन वह बुलेटप्रूफ कार के शीशे से टकराकर फिर से रीगन के पास लौटी और उनके सीने में जा धंसी। उस अफरातफरी में रीगन को शुरुआत में पता भी नहीं चला कि उन्हें गोली लगी है। उन्हें तब अहसास हुआ जब खांसते समय उनके मुंह से खून निकलने लगा। वह जमीन पर गिर गए। जॉर्ज वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी अस्पताल पहुंचते-पहुंचते उनकी हालत इतनी गंभीर हो गई थी कि वे मौत से कुछ ही मिनट दूर थे। हालांकि, डॉक्टरों ने उनके सीने से गोली समय पर निकाल ली, जिससे उनकी जान बच गई। इस घटना में रीगन के 3 सहयोगियों को भी गोली लगी, लेकिन वे भी रीगन की तरह बच गए। गोली चलाने वाले जॉन हिंकली को मौके पर ही पकड़ लिया गया।

इंटरव्यू में पत्रकार पर ट्रम्प भड़के, कहा- मैं रेपिस्ट नहीं

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प एक इंटरव्यू के दौरान महिला पत्रकार पर भड़क गए। यह मामला हिल्टन होटल में फायरिंग के आरोपी कोल टॉमस एलन के मैसेज से जुड़ा था। एलन ने हमले से 10 मिनट पहले परिवार को एक मैनिफेस्टो (लिखित बयान) भेजा था। इसमें उसने 'पेडोफाइल, रेपिस्ट और गद्दार' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था, लेकिन उसने किसी का नाम सीधे तौर पर नहीं लिया। इसी मामले को लेकर पत्रकार नोरा ओ'डोनल ने जब ट्रम्प से पूछा कि क्या ये आरोप उन्हीं की तरफ इशारा करते हैं? इस पर ट्रम्प ने कहा कि मैं न तो रेपिस्ट हूं, न ही किसी का रेप किया है। उन्होंने नाराजगी जताते हुए ये भी कहा, 'आपने एक बीमार आदमी की बकवास टीवी पर पढ़ दी। मुझे उन चीजों से जोड़ा गया, जिनसे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। मुझे पहले ही पूरी तरह क्लीन चिट मिल चुकी है।" इस पर नोरा ने साफ किया कि वे मेरे शब्द नहीं थे, बल्कि आरोपी ने लिखे थे। इस पर ट्रम्प ने कहा कि

ऐसे आरोप टीवी पर पढ़ना ही गलत था। इंटरव्यू में जब ट्रम्प से पूछा गया कि क्या वे खुद निशाने पर थे, उन्होंने कहा कि मुझे पक्के तौर पर नहीं पता। हालांकि, घटना के दौरान मुझे डर नहीं लगा, क्योंकि दुनिया ऐसी ही है और ऐसी घटनाएं हो सकती हैं। ट्रम्प ने कहा कि पहले मुझे लगा था कि यह छोटी घटना है, लेकिन फिर समझ आया कि मामला गंभीर है। उस वक्त एक आर्टिस्ट शो कर रहा था और माहौल सामान्य लग रहा था, लेकिन अचानक सब बदल गया। ट्रम्प ने कहा कि सुरक्षा टीम मुझे तुरंत बाहर ले जाना चाहती थी, लेकिन मैं देखना चाहता थे कि क्या हो रहा है। बाद में एजेंट्स ने मुझे नीचे झुकने को कहा तो मैं और मेलानिया दोनों जमीन पर लेट गए और फिर सुरक्षित जगह ले जाया गया। उन्होंने बताया कि मैं आधे रास्ते तक खड़े होकर जा रहा था, फिर एजेंट्स के कहने पर नीचे झुक गया, क्योंकि वहां खतरा ज्यादा था। मैंने पहले भी ऐसी स्थितियां देखी हैं, लेकिन मेलानिया के लिए यह नया अनुभव था। फिर भी उन्होंने स्थिति को अच्छे से संभाला।

नेपाल सशस्त्र प्रहरी बल के प्रमुख होंगे नारायण दत्त पौडेल

काठमांडू। नेपाल सरकार ने भारत और चीन की सीमा सुरक्षा के लिए सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) के नए प्रमुख के रूप में महानिरीक्षक नारायण दत्त पौडेल को नियुक्त किया है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की अध्यक्षता में सोमवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने मीडिया को बताया कि एआईजी पौडल को सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) के नए प्रमुख के रूप में नियुक्ति किया गया है। पौडेल निवर्तमान आईजीपी राजू अर्याल की जगह लेंगे, जो चार साल का कार्यकाल पूरा करने के बाद ३० अप्रैल को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। पौडेल ने 31 मार्च, 1998 को नेपाल पुलिस में इंस्पेक्टर के रूप में सेवा शुरू की थी। वर्ष 2001 में सशस्त्र पुलिस बल की स्थापना के बाद उन्हें पदोन्नति देकर डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस के रूप में एपीएफ में समायोजित किया गया था। उन्हें 20 मई, 2022 को एआईजी पद पर पदोन्नत किया गया था। शीर्ष पद की दौड़ में एआईजी वंशीराज दहाल और गणेश ठाडा मगर भी शामिल थे। सरकार ने वरिष्ठता के आधार पर पौडेल का चयन किया। मौजूदा पुलिस नियमों के अनुसार 30 वर्ष की सेवा सीमा लागू रहने पर पौडेल का कार्यकाल लगभग 23 महीने का होगा। यदि सेवा सीमा को बढ़ाकर 32 वर्ष किया जाता है, तो उनका कार्यकाल अतिरिक्त दो वर्षों तक बढ़ सकता है।

ईरानी सांसद बोले- पाकिस्तान मध्यस्थ बनने के लायक नहीं

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान। मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए ईरान और अमेरिका के बीच बातचीत में अभी तक कोई ठोस सहमति नहीं बन पाई है। इसी बीच ईरान के एक नेता ने पाकिस्तान की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के प्रवक्ता इब्राहिम रेजई ने कहा कि पाकिस्तान दोस्त जरूर है, लेकिन वह बातचीत में बीच का सही पक्ष (मध्यस्थ) नहीं बन सकता। रेजई ने कहा कि पाकिस्तान अक्सर डोनाल्ड ट्रम्प और अमेरिका के हितों को ध्यान में रखता है और उनके खिलाफ कुछ नहीं कहता। इसलिए वह निष्पक्ष नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि एक सही मध्यस्थ वही होता है, जो दोनों पक्षों के बीच निष्पक्ष रहे, न कि हमेशा एक ही पक्ष की तरफ झुका रहे। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने 24 घंटे में 2 बार पाकिस्तान का दौरा किया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को ईरान को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि उसके पास युद्ध खत्म करने के लिए सीजफायर पर सहमत होने के लिए सिर्फ तीन दिन हैं, नहीं तो उसकी तेल पाइपलाइन में ब्लास्ट हो जाएगा। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा कि अगर ईरान तेल का निर्यात नहीं कर पाता, तो पाइपलाइन में दबाव बढ़ेगा। ऐसा इसलिए होगा क्योंकि तेल को जहाजों या स्टोरेज टैंकों में भेजने का रास्ता बंद है और उस पर नाकेबंदी लगी हुई है। उन्होंने दावा किया कि जब तेल का बहाव अचानक रोकना पड़ता है, तो पाइपलाइन के अंदर दबाव बनता है और तकनीकी व प्राकृतिक कारणों से वह फट सकती है। ट्रम्प के मुताबिक, अगर ऐसा हुआ तो पाइपलाइन को पहले जैसी हालत में दोबारा बनाना लगभग नामुमकिन होगा और उसकी क्षमता भी काफी घट जाएगी।

अल्पसंख्यकों पर अत्याचार को लेकर संयुक्त राष्ट्र से लगाई गुहार

एजेंसी, नई दिल्ली

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने पाकिस्तान और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर लगातार हो रहे मानवाधिकार उल्लंघनों पर गहरी चिंता जताते हुए संयुक्त राष्ट्र से तत्काल और प्रभावी हस्तक्षेप की मांग की है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता आलोक कुमार ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष अन्नालेना बेयरबॉक को पत्र लिख कर दोनों देशों में विशेष रूप से हिंदू, सिख, बौद्ध और ईसाई समुदायों के साथ हो रहे उत्पीड़न, जबरन धर्मांतरण और हिंसा के मामलों को उजागर किया है।

विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने सोमवार को मीडिया को जारी पत्र में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार तंत्र की हालिया रिपोर्टों और विशेषज्ञों की टिप्पणियों का हवाला देते हुए बताया कि पाकिस्तान में नाबालिग लड़कियों के जबरन धर्मांतरण और विवाह के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हुई है। इन मामलों में अधिकांश पीड़ित महिलाएं हिंदू और ईसाई समुदाय से संबंधित हैं। विशेष रूप से सिंध प्रांत में ऐसी घटनाएं अधिक सामने आई हैं। पीड़ितों को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। ऐसे मामलों में पाकिस्तान की कानून प्रवर्तन एजेंसियों की प्रतिक्रिया भी कई बार अपर्याप्त बताई गई है।

पत्र में बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं के विरुद्ध हिंसा और भेदभाव के अनेक मामलों का उल्लेख किया गया है। रिपोर्टों के अनुसार अगस्त 2024 के दौरान ही बड़ी संख्या में सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाया गया। आलोक कुमार ने कहा कि इन घटनाओं की निरंतरता और व्यापकता यह संकेत देती है कि अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए मौजूदा व्यवस्थाएं पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र की जिम्मेदारी है कि वे इन गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों को रोकने के लिए ठोस और प्रभावी कदम उठाएं।

विहिप ने संयुक्त राष्ट्र के समक्ष चार प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें जबरन धर्मांतरण और अल्पसंख्यकों पर हिंसा की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष अंतरराष्ट्रीय जांच, पीड़ितों की सुरक्षा व न्याय सुनिश्चित करने के लिए विशेष तंत्र की स्थापना, संबंधित देशों से अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों के अनुरूप जवाबदेही तय करना तथा महिलाओं और नाबालिगों की सुरक्षा के लिए कड़े कानूनी और संस्थागत उपाय लागू करना शामिल है। विहिप ने संयुक्त राष्ट्र से आग्रह किया कि वह इस मुद्दे को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र ठोस कार्रवाई सुनिश्चित करे, ताकि प्रभावित समुदायों के जीवन, स्वतंत्रता, गरिमा और अधिकारों की रक्षा हो सके।

तमिलनाडु में मिला 8-12 हजार साल पुराना जीवाश्म स्थल

एजेंसी, नई दिल्ली

तमिलनाडु में 8–12 हजार साल पुराना जीवाश्म स्थल मिलने की पुष्टि हुई है। यह खोज दक्षिणी भारत के तटीय क्षेत्रों के भूवैज्ञानिक इतिहास और प्राचीन समुद्री वातावरण को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। यह संकेत देता है कि यह क्षेत्र कभी समुद्र तटीय सीमा का हिस्सा था।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने एक्स पर बताया कि तमिलनाडु के थूथुकुड़ी जिले में 2023 की भारी बारिश के बाद उजागर हुए जीवाश्म स्थलों का सर्वेक्षण पूरा हो गया है। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण ने प्रशासन के अनुरोध पर यह फील्ड स्टडी की थी।

जांच में एक नए "फॉसिल बेड" की पुष्टि हुई है, जो होलोसीन काल (करीब 8,000 से 12,000 साल पुराना) का माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह खोज भारत के क्वाटरनरी काल के जीवाश्म रिकॉर्ड को और समृद्ध करेगी।

इस खोज से देश के प्राचीन वन्यजीवन, पर्यावरण और जलवायु के बारे में अहम जानकारी मिल सकेगी। यादव ने भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के विशेषज्ञों की सराहना करते हुए कहा कि वैज्ञानिकों के तेज और प्रभावी कार्रवाई से भारत की प्राकृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया जा सकेगा।

उल्लेखनीय है कि जीवाश्म मुख्य रूप से थूथुकुड़ी के पास पनाइयूर, पट्टिनमरुदुर और कायलपट्टिनम क्षेत्रों में पाए गए हैं। भारतीय प्राणी सर्वेक्षण ने 104 जीवाश्म नमूने एकत्र किए हैं, जिसमें मोलस्कन (गैस्ट्रोपोड और बाइवाल्व) नमूने और जीवाश्म युक्त चट्टान के टुकड़े शामिल हैं। यह खोज दक्षिणी भारत के तटीय क्षेत्रों के भूवैज्ञानिक इतिहास और प्राचीन समुद्री वातावरण को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। यह संकेत देता है कि यह क्षेत्र कभी समुद्र तटीय सीमा का हिस्सा था।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के तहत दिल्लीवासी करेंगे सोमनाथ यात्रा

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने दिल्ली के लोगों के लिए "सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, सोमनाथ यात्रा" कराने का निर्णय लिया है। इस पहल के तहत 30 अप्रैल को सफदरजंग रेलवे स्टेशन से सोमनाथ धाम के लिए करीब 1300 श्रद्धालु रवाना होंगे।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली सचिवालय में पत्रकारों को बताया कि राज्य सरकार यहां के निवासियों के लिए "सोमनाथ स्वाभिमान पर्व, सोमनाथ यात्रा" का आयोजन कर रही है। यह पावन पहल सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 1000 वर्षों की अखंड आस्था को समर्पित है। यह यात्रा केवल दर्शन की यात्रा नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, भारतीय परंपरा और अपनी आध्यात्मिक जड़ों से जुड़ने का पावन अवसर है। सोमनाथ की कृपा से सनातन मूल्यों का प्रकाश बढ़े, संस्कृति समृद्ध हो तथा जनसेवा का भाव सुदृढ़ हो, यही हमारी प्रार्थना और प्रतिबद्धता है।

उन्होंने बताया कि सफदरजंग रेलवे स्टेशन से चलने वाली ट्रेन अगले दिन प्रातः सोमनाथ पहुंचेगी। एक से तीन मई को श्रद्धालु बाबा सोमनाथ के दर्शन करेंगे तथा आसपास स्थित अन्य पावन मंदिरों के भी दर्शन करेंगे। श्रद्धालुओं के ठहरने, भोजन, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था गुजरात सरकार कराएगी।

इजराइल में नेतन्याहू को हटाने एकजुट हुए दो पूर्व प्रधानमंत्री, अपनी पार्टी का विलय करेंगे

एजेंसी, तेल अवीव

इजराइल में दो पूर्व प्रधानमंत्रियों नफ्ताली बेनेट और येर लैपिड ने मौजूदा पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ एक साथ चुनाव लड़ने का फैसला किया है। उनका मकसद लंबे समय से सत्ता में रहे नेतन्याहू को हटाना है। दोनों पहले भी 2021 में साथ आए थे और उन्होंने अलग-अलग विचारधाराओं वाली पार्टियों को जोड़कर 12 साल से चली आ रही नेतन्याहू की सत्ता गिरा दी थी। अब दोनों नेताओं ने फिर से साथ आने और एक नई पार्टी बनाने का फैसला किया है। इस पार्टी का नाम 'टुगेदर' रखा गया है। इसकी अगुवाई बेनेट करेंगे। वे ही पीएम उम्मीदवार भी होंगे। इजराइल में अक्टूबर 2027 में चुनाव होने हैं लेकिन माना जा रहा है कि नेतन्याहू इसी साल अक्टूबर में संसद भंग कर चुनाव करा सकते हैं।

2022 में टूट गया था गठबंधन: 2021 में हुए समझौते के तहत पहले बेनेट प्रधानमंत्री बने और बाद में लैपिड को यह जिम्मेदारी संभालनी थी। हालांकि यह सरकार बहुत कम बहुमत पर टिकी थी। इसमें दक्षिणपंथी, वामपंथी, मध्यमार्गी और एक अरब पार्टी शामिल थी। इनकी अलग-अलग विचारधारा वाली इन पार्टियों में सुरक्षा, फिलिस्तीन और बस्तियों जैसे मुद्दों पर सबकी सोच अलग थी, जिससे बार-बार टकराव होता रहा। आखिरकार हालात ऐसे बन गए कि सरकार चलाना मुश्किल हो गया। तब बेनेट और लैपिड ने संसद भंग करने का फैसला किया और नए चुनाव कराए गए। इसमें नेतन्याहू की जीत हुई और वे फिर से सत्ता में लौट आए। तब से लैपिड विपक्ष के नेता हैं, जबकि बेनेट कुछ समय के लिए राजनीति से दूर हो गए थे। उनकी पार्टी यमीना ने भी चुनाव नहीं लड़ा था। लैपिड की पार्टी का कहना है कि

2021 में बेनेट-लैपिड ने मिलकर बेंजामिन को हराया था

इस कदम का मकसद विपक्ष को एकजुट करना, आपसी झगड़ों को खत्म करना और आने वाले अहम चुनाव जीतने पर पूरा ध्यान लगाना है।

बेनेट-लैपिड की सोच अलग-अलग बेनेट की छवि एक कट्टरपंथी यहूदी राष्ट्रवादी नेता की रही है। वे लंबे समय से दक्षिणपंथी राजनीति से जुड़े रहे हैं और फिलिस्तीन मुद्दे पर उनका रुख काफी सख्त माना जाता है। वे वेस्ट बैंक में यहूदी बस्तियों के समर्थक रहे हैं और फिलिस्तीनी राज्य बनाने के विचार के खिलाफ भी रहे हैं। उनका मानना रहा है कि इजराइल की सुरक्षा सबसे ऊपर है और इस मामले में किसी तरह की ढील नहीं दी जानी चाहिए। इसके उलट, लैपिड को एक धर्मनिरपेक्ष और उदार सोच वाला नेता माना जाता है। उनकी राजनीति ज्यादा व्यावहारिक और संतुलित मानी जाती है। वे शहरी मध्यम वर्ग, प्रोफेशनल लोगों और उदार विचारधारा वाले मतदाताओं में काफी लोकप्रिय हैं।

बंगाल में थमा दूसरे चरण का प्रचार, मुख्यमंत्री ममता सहित कई हैवीवेट नेताओं के भाग्य का फैसला 29 को

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के लिए सोमवार शाम प्रचार थम गया। अब सभी की निगाहें 29 अप्रैल को होने वाले मतदान पर टिकी हैं। दूसरे चरण का मतदान राज्य का राजनीतिक भविष्य तय करने वाला माना जा रहा है, क्योंकि इसमें दक्षिण बंगाल के उस 'कोर बेल्ट' की सीटें शामिल हैं जिसे लंबे समय से तृणमूल कांग्रेस का मजबूत गढ़ माना जाता है। दूसरे चरण में कुल 142 विधानसभा सीटों पर 1,448 उम्मीदवार मैदान में हैं। तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस ने सभी 142 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 141 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। वहीं, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने करीब 100 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए हैं।

निर्वाचन आयोग के मुताबिक, दूसरे चरण का मतदान पूर्वी बर्दवान, हावड़ा, हुगली, कोलकाता, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना और नादिया में होगा। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, दूसरे चरण के लिये 1463 नामांकन प्राप्त हुए। इनमें 15 लोगों का नामांकन रद्द कर दिया गया है। दक्षिण 24 परगना के भांगड़ विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 19 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं जबकि सबसे कम पांच उम्मीदवार हुगली की गोघाट (एससी) सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। इस चरण में 8 जिलों के कुल 3,21,73,837 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें 1,64,35,627 पुरुष तथा 1,57,37,418 महिला मतदाताओं के अलावा 792 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं।

अंतिम चरण में राजधानी कोलकाता के अलावा उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, हावड़ा, हुगली, नदिया, और पूर्व बर्धमान जिलों में मतदान होगा। इनमें से उत्तर और दक्षिण 24 परगना जिले काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इन दो जिलों में विधानसभा की 64 सीटें हैं। बंगाल में ऐसा माना जाता है कि जो राजनीतिक इन दो जिलों में अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रही वह सत्ता के करीब होगी। इसके अलावा हावड़ा और हुगली पर भी सबकी नजरें होंगी क्योंकि इन दो जिलों की 34 सीटों के नतीजे नये राजनीतिक समीकरण को बनाने या बिगाड़ने की क्षमता रखते हैं। एक समय वाम दलों का मजबूत गढ़ रह चुके इस क्षेत्र में विगत 10-12 सालों से तृणमूल का दबदबा रहा है। हालांकि, इस बार भाजपा तृणमूल के लिये कड़ी चुनौती पेश करती नजर आ रही है, जिससे मुकाबला बेहद दिलचस्प होने के आसार हैं। सबसे चर्चित मुकाबला कोलकाता की भवानीपुर विधानसभा सीट पर है, जहां मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी आमने-सामने हैं। वर्ष 2021 के चुनाव में नंदीग्राम में दोनों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ था, जिसमें शुभेंदु अधिकारी ने जीत दर्ज की थी। इस बार भवानीपुर में करीब 6.79 लाख मतदाता अपने वोट से इस हाई-प्रोफाइल मुकाबले का फैसला करेंगे। जादवपुर सीट भी इस चरण की अहम सीटों में शामिल है, जहां तृणमूल कांग्रेस के देबब्रत मजूमदार के खिलाफ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने कोलकाता के पूर्व मेयर बिकास रंजन भट्टाचार्य को मैदान में उतारा है। इसके अलावा भाटपाड़ा, बैरकपुर, चंदननगर और उलूबेड़िया उत्तर जैसी सीटों पर भी अलग-अलग सामाजिक और राजनीतिक समीकरण चुनाव को रोचक बना रहे हैं।

मोहम्मद अजहरुद्दीन और एम. कोदंडराम ने तेलंगाना विधान परिषद सदस्य के रूप में ली शपथ

एजेंसी, हैदराबाद

तेलंगाना के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन और तेलंगाना जन समिति (टीजेएस) के अध्यक्ष एम. कोदंडराम ने सोमवार को तेलंगाना विधान परिषद के सदस्य (एमएलसी) के रूप में शपथ ग्रहण की। दोनों नेताओं को हैदराबाद में आयोजित समारोह के दौरान विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुकेंदर रेड्डी ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर विधान परिषद के उपाध्यक्ष बंदा प्रकाश, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, विधायी मामलों के मंत्री डी. श्रीधर बाबू सहित कई वरिष्ठ नेता और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान दोनों नेताओं को बधाई दी गई और उनके राजनीतिक योगदान की सराहना की गई। दरअसल, राज्य की कांग्रेस सरकार ने रविवार को एक गजट अधिसूचना जारी कर मोहम्मद अजहरुद्दीन और एम. कोदंडराम को राज्यपाल कोटे के तहत विधान परिषद का सदस्य नामित किया था। इसके बाद उनके एमएलसी बनने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया।

मोहम्मद अजहरुद्दीन ने पिछले वर्ष अक्टूबर में मंत्री पद की शपथ ली थी। हालांकि, उनके मंत्री पद को लेकर पिछले कुछ समय से अनिश्चितता बनी हुई थी, क्योंकि संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार मंत्री पद पर बने रहने के लिए उन्हें छह महीने के भीतर विधानसभा या विधान परिषद का सदस्य बनना आवश्यक था। यह समय सीमा 30 अप्रैल को समाप्त होने वाली थी। यदि इस अवधि के भीतर वे सदन के सदस्य नहीं बनते, तो उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ सकता था।

पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच इजराइल ने यूएई में तैनात किया आयरन डोम, बढ़ा सैन्य सहयोग

एजेंसी, अबू धाबी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इजराइल ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अपना अत्याधुनिक एयर डिफेंस सिस्टम आयरन डोम तैनात किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कदम ईरान के साथ चल रहे संघर्ष के दौरान उठाया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह फैसला इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और यूएई के राष्ट्रपति के बीच हुई बातचीत के बाद लिया गया। इसके तहत इजराइली सेना ने न केवल आयरन डोम सिस्टम बल्कि इंटरसेप्टर टीम भी यूएई में तैनात की।

बताया जा रहा है कि संघर्ष के दौरान ईरान ने यूएई को निशाना बनाते हुए बड़ी संख्या में मिसाइल और ड्रोन हमले किए। यूएई ने दावा किया कि उसने अधिकांश हमलों को हवा में ही निष्क्रिय कर दिया, हालांकि कुछ हमले सैन्य और नागरिक ठिकानों तक पहुंचने में सफल रहे।

यह पहली बार है जब इजराइल ने अपने आयरन डोम सिस्टम को किसी दूसरे देश में सक्रिय ऑपरेशन के लिए तैनात किया है। इस कदम को क्षेत्रीय सुरक्षा सहयोग के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दरअसल, वर्ष 2020 में हुए अब्राहम समझौता के बाद से इजराइल और यूएई के बीच रक्षा और रणनीतिक संबंध लगातार मजबूत होते गए हैं। मौजूदा घटनाक्रम इस साझेदारी को और गहराई देने का संकेत देता है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का राजस्थान दौरा पार्टी के सात कार्यालयों का उद्घाटन किया

एजेंसी, जयपुर/टोंक

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अपने पदभार संभालने के बाद सोमवार को राजस्थान के पहले दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने टोंक से वर्चुअल माध्यम द्वारा राजस्थान के टोंक, बूंदी, चूरू, पाली, प्रतापगढ़, डूंगरपुर एवं बाड़मेर जिलों में नवनिर्मित भाजपा जिला कार्यालय भवनों का लोकार्पण किया। इसके साथ ही जालोर जिला कार्यालय का शिलान्यास भी किया।टोंक में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि पार्टी कार्यालय केवल ईंट और बालू से बना ढांचा नहीं होता, बल्कि यह संगठन के संकल्प और विचारों का केंद्र होता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे संगठन की मजबूती के लिए निरंतर कार्य करें।उन्होंने कहा

कि राजनीति में शॉर्टकट से बचना चाहिए। राजनीति 100 मीटर की दौड़ नहीं, बल्कि लंबी दूरी की दौड़ है, जहां धैर्य और निरंतरता की परीक्षा होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं को धैर्य, अनुशासन और समर्पण के साथ काम करने की सलाह दी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जो कार्य किए हैं, उन्हें जन-जन तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है। कहा कि भाजपा की

◆ राजनीति शॉर्टकट नहीं, लंबी दौड़ है, संगठन की मजबूती, कार्यकर्ता ही सबसे बड़ी ताकत : नवीन

सबसे बड़ी ताकत उसके कार्यकर्ता हैं और उनके बलिदान व मेहनत से ही पार्टी आज विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है। एक समय ऐसा भी था जब भाजपा के केवल दो सांसद थे और पार्टी का मजाक उड़ाया जाता था, लेकिन कार्यकर्ताओं के समर्पण और संघर्ष से आज पार्टी नई ऊंचाइयों पर पहुंची है। उन्होंने पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत को याद करते हुए कहा कि उन्होंने राजस्थान में संगठन को मजबूत आधार प्रदान किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अंतिम पंक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कार्य कर रही है। राजस्थान आज सौर और पवन ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है तथा युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर सृजित किए जा रहे हैं। हम चाहते हैं कि युवा जॉब सीकर नहीं, जॉब गिवर बनें। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ ताकतें देश को कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं, जबकि केंद्र सरकार महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि जो दल अपनी ही माताओं और बहनों को सम्मान नहीं दे सके, वही इस ऐतिहासिक कानून का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर कांग्रेस ने महिलाओं का हक क्यों छीना और उन्हें राजनीतिक भागीदारी से वंचित रखने का प्रयास क्यों किया।

विश्व नृत्य दिवसः वैश्विक शांति, समावेशी शिक्षा और रचनात्मक अर्थव्यवस्था का महापर्व

प्रतिभा सिंह

नृत्य की साधना-आराधना करने वाले समस्त कला-प्रेमियों के लिए 29 अप्रैल का दिन केवल एक तिथि नहीं, बल्कि दुनिया भर के करोड़ों नर्तकों के अटूट संकल्प, उमंग और उल्लास का महापर्व है। वर्ष 1982 में UNESCO की आधिकारिक सलाहकार संस्था, अंतरराष्ट्रीय नृत्य परिषद (CID) द्वारा इस दिवस की आधारशिला रखी गई थी, जो आज एक विशाल वैश्विक उत्सव का रूप ले चुका है। इस दिवस का पवित्र उद्देश्य नृत्य की पावन कला के प्रति जन-जागरूकता का प्रसार करना और विशेष रूप से उन हृदय तक पहुँचना है, जो सामान्यतः नृत्य की जादुई दुनिया से अछूते रह जाते हैं। सीआईडी (CID) के अध्यक्ष प्रो. डॉ. अल्किस राफ्टिस के दूरदर्शी स्वप्न के अनुसार, हमें इस दिन को 'मदर्स डे' जैसी व्यापक पहचान दिलानी है, जहाँ शास्त्रीय या समकालीन जैसी सीमाओं को तोड़कर पेशेवर कलाकारों से लेकर शौकिया नर्तकों, बच्चों और बुजुर्गों तक हर कोई इसका हिस्सा बने। इस उत्सव की सार्थकता तभी है जब हम नृत्य को भव्य मंचों की परिधि से बाहर निकालकर सड़कों, पार्कों, कारखानों और सार्वजनिक चौराहों जैसे अपरंपरागत स्थानों तक ले जाएँ। खुली कक्षाओं, ज्ञानवर्धक व्याख्यानों, कला प्रदर्शनियों, रंगारंग परेडों और स्थानीय नगर पालिकाओं व शिक्षण संस्थानों के सहयोग से हम इस कला को समाज की मुख्यधारा से जोड़ सकते हैं। नृत्य मात्र देह की हलचल नहीं, बल्कि यह हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग और एक सार्वभौमिक भाषा है, इसलिए आइए इस 29 अप्रैल को हम एक वैश्विक परिवार के रूप में एकजुट हों और नृत्य की इस पावन लय को संसार के हर कोने तक पहुँचाने का संकल्प लें। नृत्य की यह वैश्विक गूंज समूचे भारत में भी पूरी भव्यता के साथ सुनाई देगी। कश्मीर से कन्याकुमारी तक, भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत—चाहे वह शास्त्रीय नृत्य हो या लोक कलाएं—इस अवसर पर विभिन्न मंचों और सार्वजनिक स्थलों पर जीवंत हो उठेगी। भारत के महानगरों से लेकर छोटे कस्बों तक में कार्यशालाएं, सेमिनार और प्रदर्शनियां आयोजित होंगी, आखिरकार नृत्य हमारे समाज की रग-रग में बसा है। हर पारिवारिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक आदि आयोजनों में नृत्य, विशेष आकर्षण होता है। युद्ध की विभीषिका के बादलों के बीच नृत्य कला का उत्तरदायित्व बढ़ जाता है। वर्तमान समय में जब हम उत्सव की तैयारी कर रहे हैं, हमें दुनिया के विभिन्न कोनों में चल रहे विनाशकारी युद्धों और उनके मानवीय दुष्परिणामों की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। युद्ध की विभीषिका न केवल मानवीय जीवन का अंत करती है, बल्कि यह सृजन की शक्ति को भी कुचल देती है। संस्कृतियों के बीच अलगाव पैदा करती है। संघर्ष के ऐसे हालात नृत्य जैसी कोमल और गरिमामयी विधा के मूल उद्देश्यों—शांति, सामंजस्य और प्रेम—को गौण कर देते हैं। जब बारूद की गंध हवा में घुली हो, तो घुंघरुओं की आवाज दबने लगती है। एक कलाकार के रूप में हमारी यह नैतिक जिम्मेदारी है कि हम अपने प्रदर्शन के माध्यम से युद्ध विरोधी संदेश दें और शांति की सार्वभौमिक भाषा को मुखरित करें। नृत्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि विनाश के विरुद्ध निर्माण की एक सशक्त अभिव्यक्ति होनी चाहिए। नृत्य का अभ्यास स्वास्थ्य और संतुलन का माध्यम है । नृत्य की महत्ता केवल कलात्मक प्रदर्शन तक सीमित नहीं है। आज के तनावपूर्ण युग में शारीरिक सौष्ठव, शारीरिक संतुलन और मानसिक शांति बनाए रखने के लिए नृत्य एक अचूक औषधि के रूप में उभरा है। यह एक साथ शरीर और मन पर काम करता है। चिकित्सा विज्ञान ने भी यह स्वीकार किया है कि नृत्य विभिन्न शारीरिक विकारों और मानसिक अवसादों के उपचार में (Dance Therapy) महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह हृदय गति को सुधारने से लेकर संज्ञानात्मक कौशल को बढ़ाने तक, हर आयु वर्ग के लिए एक पूर्ण व्यायाम और उपचार पद्धति है। भारत की क्रिएटिव इकॉनमी में योगदान और आजीविका देने में नृत्य विधा का महत्व बढ़ता जा रहा है। समकालीन परिप्रेक्ष्य में, नृत्य के कलाकार देश की 'क्रिएटिव इकॉनमी' (Creative Economy) के महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुके हैं। वे न केवल कला को जीवित रख रहे हैं, बल्कि आर्थिक विकास में भी बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं। आज नृत्य के विशेषज्ञों की उपयोगिता शिक्षण संस्थानों, सामाजिक कार्यक्रमों और फिल्म व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के ग्लैमरस जगत में निरंतर बढ़ रही है। चिकित्सा के क्षेत्र में 'डांस थेरेपिस्ट' के रूप में उनकी भूमिका ने एक नया आयाम जोड़ा है। इस विधा की बढ़ती सामाजिक प्रतिष्ठा ने इसे जीविकोपार्जन के एक अत्यंत आकर्षक और सम्मानजनक विकल्प के रूप में स्थापित कर दिया है। आज नृत्य केवल एक शौक (Hobby) नहीं रहा, बल्कि एक पूर्णकालिक पेशेवर करियर भी बन चुका है। विद्यार्थियों के लिए नृत्य में सुनहरा भविष्य हो सकता है। विद्यार्थियों के लिए यह समय अपनी शैक्षणिक पढ़ाई और कलात्मक जुनून के बीच संतुलन बनाने का है। आधुनिक शिक्षा प्रणाली अब सर्वांगीण विकास पर जोर देती है, जहाँ नृत्य में लिया गया प्रशिक्षण न केवल व्यक्तित्व में निखार लाता है, बल्कि भविष्य के लिए करियर के अनेक द्वार भी खोलता है। चाहे वह कोरियोग्राफी हो, शोध हो, शिक्षण हो या डिजिटल कंटेंट क्रिएशन—नृत्य में दक्ष युवाओं के लिए असीम संभावनाएं मौजूद हैं। नई शिक्षा नीति (NEP 2020) ने नृत्य को लेकर हमारी पारंपरिक सोच में एक क्रांतिकारी बदलाव किया है। अब नृत्य केवल 'पाठ्येतर गतिविधि' (Extra-curricular) मात्र नहीं, बल्कि मुख्य विषय के रूप में भी पाठ्यक्रम का एक अभिन्न हिस्सा है। इसे एक विषय, एक गहन प्रयोग और अभ्यास की विधा के रूप में मान्यता दी गई है। जब स्कूलों में बच्चे नृत्य को एक विषय के रूप में अपनाते हैं, तो उनके भीतर न केवल कलात्मक कौशल विकसित होता है, बल्कि उनके व्यक्तित्व में अनुशासन और संवेदनशीलता का संचार भी होता है। स्कूल के परिवेश में नृत्य के समावेश से बच्चों में सामूहिक चेतना जागृत होती है। वे टीम वर्क, आपसी सहयोग और एक-दूसरे के प्रति सम्मान करना सीखते हैं। यह कलात्मक अनुशासन उनके व्यक्तिगत जीवन में उतरकर उनके परिवार और सामाजिक परिवेश को भी प्रभावित करता है। एक नर्तक छात्र अपने जीवन में जिस संतुलन और सौंदर्य बोध को आत्मसात करता है, वह उसके व्यवहार में भी झलकता है, जिससे एक व्यवस्थित और संतुलित समाज का निर्माण संभव होता है। नृत्य की यह वितान—व्यक्तिगत स्वास्थ्य से लेकर वैश्विक शांति तक, और स्कूल की कक्षाओं से लेकर देश की क्रिएटिव इकॉनमी तक—अत्यंत व्यापक है। 29 अप्रैल का यह अवसर हमें याद दिलाता है कि नृत्य केवल देह की भंगिमा नहीं, बल्कि आत्मा का संगीत है जो युद्ध की विभीषिका के बीच भी मानवता को जीवित रखने का सामर्थ्य रखता है। आइए, विश्व नृत्य दिवस के इस पावन अवसर पर हम अपनी कला को संकुचित दायरे से बाहर निकालें। चाहे वह विद्यालयों में हो, अस्पतालों में चिकित्सा के रूप में हो, या वैश्विक मंचों पर शांति के संदेश के रूप में—नृत्य की लय हर हृदय तक पहुँचनी चाहिए। हम सभी मिलकर इस कला को जीविकोपार्जन का सशक्त आधार और सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बनाएँ। जैसा कि प्रो. डॉ. अल्किस राफ्टिस और UNESCO का विजन है, हम इस दिन को जन-जन तक पहुँचाएँ और इस वैश्विक परिवार का हिस्सा बनकर दुनिया को और अधिक सुंदर, संतुलित और शांतिपूर्ण बनाएँ। आइए, इस 'विश्व नृत्य दिवस' पर हम संकल्प लें कि हम नृत्य की इस लयबद्ध शक्ति का उपयोग समाज को जोड़ने, शांति स्थापित करने और एक स्वस्थ व रचनात्मक राष्ट्र के निर्माण में करेंगे। नृत्य के इन विविध आयामों को अपनाकर ही हम इस कला की वास्तविक गरिमा को अक्षुण्ण रख सकते हैं। लेखिका वरिष्ठ कथक कलाकार और कला मंडली रंगमंडल, दिल्ली की निदेशक हैं।

आज का राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, द्वादशी, मंगलवार, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्रे, व्यय योगे, वलकरणे, कन्या की चंद्रमा, त्रिपुस्कर योग, 34/07 जलखनन, देव प्रतिष्ठा, तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल-आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमानी, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, धनीमानी, कुशल व्यवसायी होगा।

मेष राशि :- उन्नति सिद्ध, वाहन भय, शरीर कष्ट, प्रयास से सफलता मिल सकती है, ध्यान दें।

वृष राशि :- खर्च, सिद्धी, शुभ कार्य, कष्ट, मानसिक कार्य एवं सफलता के योग, ध्यान दें।

मिथुन राशि :- राज से हानि, विरोध, अपव्यय, लेखन कार्य में रुकावट अवश्य होगी।

कर्क राशि :- संतान कष्ट, आर्थिक कष्ट, खर्च, शुभ व्यय, धार्मिक एवं शुभ कार्यों के योग हैं।

सिंह राशि :- सफलता, हर्ष, भय, विवाद, कुछ प्रसन्नता के योग, पारिवारिक सुख होगा।

कन्या राशि :- हानि, अपव्यय का योग, रोग, मातृ कष्ट, शिक्षा जगत में संतोष रहेगा।

तुला राशि :- लाभ, संतान सुख, रोगभय, झुंझलाहट, लेखन कार्य सामान्य प्रगतिकारक होगा।

वृश्चिक राशि :- अभीष्ट सिद्धी, स्वजन कार्य सिद्धी, धन लाभ, सामाजिक कार्य व्यावधान के साथ सफल होगा।

धनु राशि :- राजभय, स्त्री कष्ट, कार्य सिद्धी, धन लाभ, सामाजिक कार्यों में व्यवधान एवं सफलता।

मकर राशि :- विवाद, कष्ट, बाधा, हानि, घरु कष्ट, नौकरी की स्थिति सामान्य अवश्य ही रहेगी।

कुंभ राशि :- यश, शुभ कार्य, मुकदमे से लाभ, धार्मिक तथा कुछ अच्छे कार्य भी हो सकते हैं।

मीन राशि :- रोगभय, अभीष्ट सिद्धी, अल्प हानि, नौकरी में अनबन बन सकती है, ध्यान दें।

धीरेंद्र शास्त्री की बुद्धि भ्रष्ट होने के कारण विषैले वक्तव्य देकर करोड़ों लोगों की भावनाए आहत हुईं

लेखक रमेश कृष्णराव लांजेवार

भारत भूमि महाज्ञानी ,साधु,संत, थोर महात्मा,तपस्वी, क्रांतिकारी, विचारवंत, जहालवादी-मवाळवादी आदि के अथक परिश्रम और प्रयासों से बनी है। इस भूमि पर देव-दानव, देवी-देवताओं ने जन्म लिया, इसलिए ही यह भारत भूमि ऐसी है जहाँ अनेक धर्म, पंथ, जाति, भाषा और विभिन्न संस्कृतिया देखने को मिलती हैं।और इसे आकार व दिशा देने का कार्य हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपती शिवाजी महाराज ने अपने गनिमी कावा के माध्यम से हिंदवी स्वराज्य की स्थापना करके किया है। आज भी शिवाजी महाराज का इतिहास अमर है। देश सहित दुनिया के 111 देश शिवजयंती बड़े उत्साह से मनाते हैं और शिवाजी महाराज की गनिमी कावा युद्ध शैली का अध्ययन करने के लिए विदेशी शोधकर्ता हर वर्ष महाराष्ट्र में बड़ी संख्या में आते हैं। क्योंकि शिवाजी महाराज जैसी युद्ध शैली कोई भी प्राप्त नहीं कर सका।और धीरेंद्र शास्त्री कहते हैं कि शिवाजी महाराज युद्ध करके थक गए थे, अरे मूर्ख धीरेंद्र शास्त्री बाबा, शिवाजी महाराज कभी थके ही नहीं, इसलिए हिंदवी स्वराज्य की स्थापना हुई। आज हम दुनिया में जो गुरिल्ला युद्ध देखते हैं, उसकी शुरुआत इसी भूमि से छत्रपती शिवाजी महाराज ने की और वह पूरी दुनिया में फैली।परंतु आज देश में धीरेंद्र शास्त्री जैसे जहरीले सर्प भी दिखाई देते हैं। वे क्या बोल रहे हैं, इसका भी भान स्वयंघोषित बाबा धीरेंद्र शास्त्री को नहीं है। नागपुर के एक कार्यक्रम में धीरेंद्र शास्त्री ने शिवाजी महाराज के बारे में विवादित बयान देते हुए कहा कि शिवाजी महाराज युद्ध करके थक गए और रामदास स्वामी से कहा, राजपाट संभालिए।अरे मूर्ख धीरेंद्र बाबा, रामदास स्वामी शिवाजी महाराज के गुरु थे और स्वामी का आशीर्वाद व उनसे विचार-विमर्श शिवाजी महाराज हमेशा करते थे। बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लेने की परंपरा हमारे महाराष्ट्र सहित पूरे भारत में हजारों वर्षों से है। इसलिए रामदास स्वामी के आदेश का पालन शिवाजी महाराज हमेशा करते थे, क्योंकि वे उनके गुरु थे।धीरेंद्र शास्त्री बाबा, आज आप जो खुली हवा में सांस ले रहे हैं, वह भी छत्रपती शिवाजी महाराज की कृपा से ही है। यह बात आपको ध्यान में रखनी चाहिए। यदि इस पृथ्वी पर शिवाजी महाराज जन्म नहीं लेते, तो आप भी दिखाई नहीं देते। इसलिए जिस थाली में खाते हैं, उसमें छेद करना बंद करें और माफी मांगकर भागने की कोशिश करना भी बंद करें।क्योंकि मीडिया में प्रसिद्धि पाने के लिए आप बार-बार विवादित बयान देकर प्रसिद्धि प्राप्त करते हैं, यह बात जगजाहिर है और बाद में माफी मांगकर निकल जाते हैं, यह भी सभी जानते हैं। इससे पहले भी धीरेंद्र शास्त्री ने ऐसे ही विवादित बयान देकर देश की भोली-भाली जनता की भावनाएँ आहत की थीं।एक प्रवचन के दौरान धीरेंद्र शास्त्री ने लगातार दो दिन मानवधर्म के संस्थापक बाबा जुमदेवजी और परमात्मा एक सेवक धर्म के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी, जिससे हजारों सेवक आक्रोशित हुए थे।धीरेंद्र शास्त्री ने इससे पहले संत साईबाबा, संत तुकाराम महाराज और भगवान सहस्त्रार्जुन महाराज जैसे कई संतों और देवताओं के बारे में भी आपत्तिजनक बयान दिए हैं। यह अत्यंत निंदनीय और घृणास्पद है, जिसकी सभी स्तरों पर निंदा भी की गई थी।इसके बावजूद उनके विवादित बयान देने की प्रवृत्ति बंद नहीं हुई है। धीरेंद्र शास्त्री स्वयं को महाराज (बाबा) मानते हैं, परंतु उनमें ऐसा कोई गुण दिखाई नहीं देता। वे केवल समाज में फूट डालकर कटुता और जहर फैलाने का काम करते हैं।देश का हर व्यक्ति अपनी-अपनी आस्था के अनुसार देवी-देवताओं और साधु-संतों की पूजा करता है, और यह उसका अधिकार है। यदि बागेश्वर बाबा जैसे व्यक्ति जहर फैलाने का कार्य करते हैं, तो हिंदू धर्म इसे कभी स्वीकार नहीं करेगा।दुःख और चिंता की बात यह है कि धीरेंद्र शास्त्री राज्य में आकर बार-बार विवादित बयान देते हैं, फिर माफी मांगकर चले जाते हैं, फिर भी सरकार उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं करती। यह अत्यंत गंभीर और चिंताजनक विषय है।क्या बार-बार माफी मांगने से अपराधी को छोड़ देना चाहिए? यदि हर अपराधी माफी मांगकर छूट जाएगा, तो न्याय व्यवस्था का क्या होगा?आज तक धीरेंद्र शास्त्री ने करोड़ों लोगों की भावनाएँ आहत की हैं। यह भी सत्य है कि शिवाजी महाराज की पुण्याई से ही आज बागेश्वर बाबा अपनी प्रसिद्धि पा रहे हैं, अन्यथा उन्हें कटोरा लेकर दर-दर भटकना पड़ता।आज धीरेंद्र शास्त्री इतिहास को मलिन करने वाले विषैले बाबा बन गए हैं।

भारत की राजनीतिः विचारधारा, क्षेत्रीयता और जनादेश की नई परीक्षा

राजेश कुमार सिंह

भारत की राजनीति एक बार फिर उस मोड़ पर खड़ी है जहाँ हर चुनाव सिर्फ सरकार बदलने का सवाल नहीं, बल्कि राजनीतिक दिशा और विचारधारा की परीक्षा भी बन जाता है। पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और केरल, ये चार राज्य सिर्फ भौगोलिक रूप से अलग नहीं हैं, बल्कि इनके राजनीतिक डीएनए भी एक-दूसरे से बिल्कुल भिन्न हैं। ऐसे में आने वाले चुनावी नतीजे यह तय करेंगे कि क्या राष्ट्रीय दल अपना विस्तार कर पाएंगे या क्षेत्रीय ताकतें अपनी पकड़ और मजबूत करेंगी।भारत की चुनावी विविधता का सबसे बड़ा उदाहरण यही चार राज्य हैं। पश्चिम बंगाल में वामपंथ की लंबी पारी के बाद तृणमूल कांग्रेस ने ममता बनर्जी के नेतृत्व में एक नई क्षेत्रीय अस्मिता गढ़ी। यहाँ की राजनीति में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, बंगाली अस्मिता और केंद्र-राज्य संबंध हमेशा केंद्रीय मुद्दे रहे हैं। असम में पहचान का सवाल, NRC, CAA और बांग्लादेशी घुसपैठ जैसे मुद्दे दशकों से चुनावी धुरी बने हुए हैं। भाजपा ने यहाँ हिंदुत्व और असमिया अस्मिता को जोड़कर नई समीकरण बनाई, जबकि कांग्रेस-AIUDF जैसे गठबंधन अल्पसंख्यक वोटों पर निर्भर रहे।दक्षिण में तमिलनाडु की राजनीति पूरी तरह द्रविड़ आंदोलन की कोख से निकली है। DMK और AIADMK के बीच मुकाबला केवल सत्ता का नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, भाषा और आत्मसम्मान का रहा है। राष्ट्रीय दल यहाँ दशकों से हाशिये पर हैं। केरल में वामपंथ और कांग्रेसनीत UDF के बीच बारी-बारी की सरकारें बनती रही हैं। यहाँ साक्षरता, स्वास्थ्य और लोक कल्याणकारी मॉडल चुनावी बहस का केंद्र होते हैं, न कि धर्म या जाति।

2014 के बाद भाजपा ने "कांग्रेस मुक्त भारत" के नारे के साथ राज्यों में विस्तार किया। उत्तर, पश्चिम और पूर्वोत्तर में उसे सफलता मिली, लेकिन दक्षिण और पूर्व के कुछ हिस्सों में क्षेत्रीय दीवारें अब भी मजबूत हैं। तमिलनाडु में भाजपा-AIADMK गठबंधन टूटने के बाद राष्ट्रीय दल की चुनौती और कठिन हो गई है। केरल में भाजपा वोट शेयर तो बढ़ा रही है, पर सीटों में बदलना अब भी दूर की कौड़ी है। पश्चिम बंगाल में 2021 में भाजपा मुख्य विपक्ष बनी, लेकिन ममता बनर्जी की जमीनी पकड़ और महिला वोट बैंक ने तृणमूल को अभेद्य बना दिया। असम में भाजपा ने क्षेत्रीय अस्मिता को साथ लेकर सरकार बचाई है।कांग्रेस की स्थिति उलट है। वह केरल में मजबूत है, असम में संघर्ष कर रही है, बंगाल में लगभग गायब है और तमिलनाडु में DMK के जूनियर पार्टनर के रूप में बची है। यानी राष्ट्रीय दल अब राज्यों में "बड़ा भाई" नहीं, बल्कि "गठबंधन सहयोगी" की भूमिका में आ गए है।

2026 के संभावित विधानसभा चुनावों में तीन स्तर के मुद्दे टकराएंगे।पहला, जीवन के सवाल,महंगाई, बेरोजगारी, कृषि संकट, शिक्षा और स्वास्थ्य। कोविड के बाद रोजगार की गुणवत्ता गिरी है। युवा मतदाता स्थायी नौकरी चाहता है, न कि केवल स्टार्टअप के सपने। ग्रामीण क्षेत्रों में मनरेगा और मुफ्त राशन अब भी बड़ा फैक्टर है।दूसरा, अस्मिता के सवाल पर भाषा, धर्म, क्षेत्रीय गौरव की बात हो,तमिलनाडु में हिंदी थोपने का डर, बंगाल में "बाहरी बनाम भूमिपुत्र", असम में "खिलंजिया" की पहचान, केरल में अल्पसंख्यक अधिकार—ये भावनात्मक मुद्दे कैडर को सक्रिय करते हैं।तीसरा, शासन का मॉडल,केरल का स्वास्थ्य मॉडल, तमिलनाडु का सामाजिक न्याय मॉडल, असम का बुनियादी ढांचा पुश, बंगाल की लोकलुभावन योजनाएँ।हालांकि चारों राज्यों में जाति और समुदाय का गणित अलग है। असम में असमिया बनाम बंगाली, हिंदू-मुस्लिम और जनजातीय वोट निर्णायक हैं। बंगाल में SC, ST, OBC के साथ 27% मुस्लिम वोट बैंकिंग करते हैं। तमिलनाडु में पिछड़ा वर्ग आरक्षण की राजनीति सबसे मजबूत है। केरल में ईसाई, मुस्लिम और एझवा समुदाय किंगमेकर हैं।

इसलिए चुनावी जीत का रास्ता "किसे जोड़ें और किसे तोड़ें" से होकर जाता है। भाजपा असम में जनजातीय प्लस असमिया हिंदू समीकरण पर, बंगाल में मतुआ-नमशूद्र और हिंदीभाषी वोट पर दांव लगाती है। तृणमूल, DMK, लेफ्ट जैसे दल कल्याणकारी योजनाओं के जरिए महिला वोट को साधते हैं। महिला वोट अब "साइलेंट वोट" नहीं, "स्विंग वोट" है। लाडली बहना, कन्याश्री, मगालिर उरिमाई थोगई जैसी स्कीमें सीधे घर की मुखिया तक पहुंचती हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव ने दिखाया कि मतदाता राष्ट्रीय और राज्य चुनाव में अलग व्यवहार करता है। भाजपा को हिंदी पट्टी में झटका लगा, लेकिन असम और बंगाल में उसने लोकसभा सीटें बढ़ाईं। तमिलनाडु में DMK-INDIA गठबंधन ने क्लीन स्वीप किया। केरल में कांग्रेस ने वापसी की। इसका मतलब है कि राज्य चुनावों में स्थानीय फैक्टर और मुख्यमंत्री का चेहरा सबसे बड़ा होता है। ममता बनाम शुभेंदु, हिमंत बनाम गौरव, स्टालिन बनाम अन्नामलाई, पिनराई बनाम सतीशन—यह चेहरों की क्षेत्रिय दलों का दबदबा कायम रहता है। ये चुनाव केवल विधानसभा की 4-5 साल की पारी तय नहीं करेंगे। ये बताएंगे कि भारत का मतदाता क्या चाहता है। क्या वह केंद्रीकृत विकास मॉडल चाहता है या राज्य-विशिष्ट कल्याणकारी मॉडल? क्या वह हिंदुत्व-राष्ट्रवाद की बड़ी लकीर को स्वीकार करता है या भाषाई-सांस्कृतिक विविधता पर जोर देता है? क्या वह "लाभार्थी राजनीति" से आगे बढ़कर "अधिकार आधारित राजनीति" की ओर जाएगा?

पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और केरल का जनादेश भारत के लोकतंत्र का कंपास बनेगा। यहाँ से निकला संकेत ही तय करेगा कि 2029 की दिल्ली की लड़ाई किस पिच पर खेली जाएगी, रोटी के सवाल पर, या पहचान के नारे पर।

बिजनौर को जानने को जनपद बिजनौर पढ़े

लेखक - अशोक मधुप

प्रस्तुत पुस्तक 'जनपद बिजनौर' अशोक मधुप के 125 लेखों का संग्रह है। यह एक रोचक, ज्ञानवर्धक, ऐतिहासिक तथ्यों पर लिखी गई पुस्तक बिजनौर जिले के विषय में विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराती है। एक ही जगह एक ही पुस्तक में आपको बिजनौर का इतिहास, बिजनौर का भूगोल, सांस्कृतिक धरोहर व ऐतिहासिक विरासत सब कुछ पढ़ने को मिलेगा। मुझे लगता है बिजनौर से जुड़े हर व्यक्ति को बिजनौर के बारे में जानने की उत्सुकता जरूर होगी। बिजनौर जनपद के गौरवशाली इतिहास को पढ़कर आपको गर्व होगा कि हम बिजनौरी हैं। पुस्तक पढ़कर बिजनौर के विषय में रोचक जानकारी मिली। मुझे लगता है लेखक अपने समय में जरूर घुमक्कड़ रहे होंगे। क्योंकि जितना बारीकी से बिजनौर जिले के गुमनाम गांवों का वर्णन किया है, लेखक ने जिया है उन घटनाओं को, खुद साक्षी बने हैं उन जगहों के।

अशोक मधुप अनेक वर्षों से पत्रकारिता से जुड़े रहे, बिजनौर जिले में अमर उजाला के प्रभारी भी रहे। अन्वेषणता, तथ्यों की प्रमाणिकता उनकी उत्कंठ जिज्ञासा को दिखलाती है। अधिकतर तथ्य लोगों से बातचीत पर आधारित और दंत कथाओं पर आधारित है। जैसा कि अशोक मधुप खुद एक लेख में स्वीकार करते हैं कि बिजनौर जिले पर उत्कृष्ट व विस्तृत अन्वेषण की आवश्यकता है। सरकार और पुरातत्व विभाग की उपेक्षा झेलता अपनी कहानी बिजनौर स्वयं कहता है। लेकिन इसकी धरोहर को संजोने और प्रकाश में लाने के लिए यह पुस्तक एक उत्तम प्रयास है। कहीं-कहीं आंकड़ों की अधिकता बोर करती है लेकिन आंकड़े जरूरी

हैं सही जानकारी के लिए। सभी युवाओं को, शोधार्थियों को और

> पुस्तक समीक्षा - जनपद बिजनौर (अशोक मधुप के 125 लेखों का संग्रह)
> **प्रकाशक - अमर उजाला**
> **लेखक - अशोक मधुप**
> **पेज 416– मूल्य 150 रूपया**

प्रतियोगिता (UPSC / IAS) की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों को जरूर पढ़नी चाहिए यह पुस्तक। मेरा भी गृह जनपद बिजनौर है इसलिए पुस्तक पढ़ने में जिज्ञासा भी थी अपने जनपद को जानने की और गर्व भी हुआ जानकर मेरा बिजनौर कितने ही राज, और कितनी ही धरोहर छुपाए हुए है । इसकी जानकारी आधुनिक पीढ़ी को नहीं है। मुझे भी स्वयं नहीं पता था बिजनौर में इतनी सारी जगह है घूमने के लिए, इतना बड़ा महत्व है बिजनौर का ऐतिहासिक व भौगोलिक दृष्टि से। अशोक मधुप जी की लेखन शैली किस्सागोई की है। पढ़ते हुए लगता है जैसे आपके सामने बैठकर ही कोई किस्सा सुना रहे हो। बिजनौर जिले के बारे में पढ़कर मेरा मन भी है उन सभी जगह घूमने का, लगता है मुझे पर्यटक बनना पड़ेगा। भाषा सरल है, पुस्तक पढ़कर हर बिजनौर वासी स्वयं को उससे जुड़ा पाएगा। अनायास ही मुँह से निकलेगा अरे मेरा बिजनौर ऐसा भी है, इतना महान इतिहास है। मैंने भी अपनी जिंदगी के 27 साल बिजनौर में गुजारे लेकिन यही सोचती थी कि बिजनौर में घूमने के लिए कोई जगह नहीं है। पर अशोक मधुप जी की किताब पढ़कर लगा कि अभी तो बिजनौर को जाना ही नहीं है। संक्षेप में यही कहना चाहूँगी सभी बिजनौरवासियों को तो यह पुस्तक जरूर पढ़नी चाहिए साथ ही जो विद्यार्थी देश के इतिहास में रुचि रखते हैं उन्हें भी पढ़ना चाहिए कि मेरा बिजनौर कितना बड़ा इतिहास रखता है। " ऐ मेरे शहर बिजनौर तेरे बारे में दुनिया कुछ भी कहे, पर मेरे लिए तू खास है, तेरी गलियों में मेरा बचपन बीता वो सुनहरे दिन, वो स्कूल की यादें जिन नए परिवर्तन को दोनों ने एक साथ देखा। समीक्षक – डा. वंदना शर्मा पांडव, नई दिल्ली

पंत की रणनीति पर उठे सवाल, नरेन के सामने पूरन को भेजकर की भारी भूल

सुपरओवर में कोलकाता नाइट राइडर्स को तोहफे में दी जीत

लखनऊ, एजेंसी। आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपरजाएंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला गया मुकाबला क्रिकेट फैंस के लिए किसी थ्रिलर से कम नहीं था। मैच आखिरी गेंद तक गया, जहां मोहम्मद शमी के छक्के ने स्कोर बराबर कर दिया और मुकाबला सुपर ओवर में पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद जो हुआ, उसने लखनऊ की रणनीति और कप्तानी दोनों पर सवाल खड़े कर दिए।

रिंकू सिंह और नरेन ने पलटा पूरा खेल

रिंकू सिंह ने नाबाद 83 रन की शानदार पारी खेलकर केकेआर को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। वहीं सुपर ओवर में सुनील नरेन ने घातक गेंदबाजी करते हुए सिर्फ एक रन देकर दो विकेट झटके। नतीज- एलएसजी सिर्फ एक रन बना सकी, जो आईपीएल इतिहास का सबसे कम सुपर ओवर स्कोर बन गया। इसके जवाब में केकेआर ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया।

बड़ा सवाल- पूरन को क्यों भेजा गया?

सुपर ओवर में लखनऊ ने निकोलस पूरन और एडेन मार्करम को बल्लेबाजी के लिए भेजा। यह फैसला चौंकाने वाला था क्योंकि टीम के पास ऋषभ पंत, मिचेल मार्श और मुकुल चौधरी जैसे विकल्प मौजूद थे। पूरन उस मैच में पहले ही नौ रन बनाकर आउट हो चुके थे और पूरे सीजन में उनका फॉर्म बेहद खराब रहा है। वह आईपीएल 2026 में अब तक आठ मैचों में सिर्फ 82 रन बना सके हैं।

कहानी बद से बदतर हो गई

जब 12 साल पहले सुपर ओवर में पूरन और नरेन आमने-सामने आए थे, तब भी नतीजा लगभग ऐसा ही रहा था। पूरन पहली चार गेंदों पर कोई शॉट ठीक से कनेक्ट नहीं कर पाए थे और पांचवीं गेंद पर लॉन्ग-ऑफ पर कैच आउट हो गए थे। इस बार भी कहानी नहीं बदली, बल्कि और खराब हो गई। सुपर ओवर की पहली ही गेंद पर नरेन ने पूरन को बोल्ड कर दिया, जिससे लखनऊ की उम्मीदें शुरुआत में ही खत्म हो गईं।

टी20 सुपर ओवर में पूरन VS नरेन

कैरिबियाई लीग 2014	0 रन (5 गेंद)
कैरिबियाई लीग 2021	1 रन (2 गेंद)
आईपीएल 2026	0 रन (1 गेंद)
कुल	1 रन, 2 बार आउट

आंकड़े क्या कहते हैं?

अगर आंकड़ों पर नजर डालें तो यह फैसला और भी हैरान करता है, क्योंकि सुपर ओवर में पूरन का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। उन्होंने सुपरओवर में कुल 10 गेंदों में सिर्फ एक रन बनाए हैं। वह पांच बार आउट हो चुके हैं। इतना ही नहीं, सुनील नरेन के खिलाफ सुपर ओवर में आठ गेंदों पर वह सिर्फ एक रन ही बना सके हैं। यानी जिस बल्लेबाज को सबसे अहम मौके पर भेजा गया, उसके आंकड़े इस फैसले के बिल्कुल खिलाफ थे।

नंबर झूठ नहीं बोलते

कोच लैंगर ने भले ही पूरन पर भरोसा जताया हो, लेकिन आंकड़े इस फैसले के बिल्कुल उलट कहानी बताते हैं, खासतौर पर जब सामने गेंदबाज नरेन हों। ये आंकड़े साफ दिखाते हैं कि सुपर ओवर जैसे हाई-प्रेशर मोमेंट में पूरन का रिकॉर्ड नरेन के खिलाफ बेहद कमजोर रहा है। ऐसे में उन्हें सबसे पहले बल्लेबाजी के लिए भेजना एक बड़ा जोखिम था, जो आखिरकार लखनऊ टीम पर भारी पड़ गया।एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत इस फैसले के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के निशाने पर आ गए। फैंस का कहना था कि पंत को पूरन और नरेन के पुराने रिकॉर्ड की जानकारी होनी चाहिए थी। कई यूजर्स ने सवाल उठाया कि इतने बड़े मैच में ऐसा जोखिम भरा फैसला क्यों लिया गया। कुछ फैंस का मानना था कि पंत खुद या मिचेल मार्श या फिर मुकुल चौधरी को पहले भेजना चाहिए था, जिससे टीम को बेहतर शुरुआत मिल सकती थी।

मैड्रिड ओपनः अस्वस्थ होने के बावजूद कोको गॉफ ने चौथे दौर में बनाई जगह

काजा मैजिका। मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अमेरिका की स्टार खिलाड़ी Coco Gauff ने शानदार जज्बा दिखाते हुए बीमारी के बावजूद चौथे दौर में जगह बना ली। मैच के दौरान असहज महसूस करने और कोर्ट पर उल्टी करने के बावजूद गॉफ ने हार नहीं मानी और मुकाबला जीत लिया। पिछले साल फाइनल तक पहुंचने वाली गॉफ ने के खिलाफ पहला सेट 4-6 से गंवा दिया था। लेकिन इसके बाद उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए 7-5, 6-1 से मैच अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट के दौरान गॉफ को अचानक अस्वस्थता महसूस हुई और उन्होंने कोर्ट पर उल्टी कर दी, जिससे वह कुछ समय के लिए परेशान नजर आई।मैच के बाद गॉफ ने कहा, 'जब मैने कोर्ट पर उल्टी की, तो मुझे बिल्कुल अच्छा नहीं लग रहा था। मुझे ऐसा लगा जैसे मेरी सारी ऊर्जा खत्म हो गई हो।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं मैच से हटना पसंद नहीं करती। जब तक मुझे लगता है कि मेरे पास खेलने का मौका है, मैं मैदान नहीं छोड़ती।' इससे पहले दुनिया की चौथे नंबर की खिलाड़ीSwiatek भी अज्ञात बीमारी के कारण अपना मैच बीच में छोड़ने पर मजबूर हो गई थीं।

रघुवंशी आउट भी हुए और अब जुर्माना भी देना होगा!

लखनऊ। आईपीएल 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बीच खेले गए मुकाबले के बाद केकेआर के युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। उन्हें मैच के दौरान गुस्से में किए गए व्यवहार के लिए उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

'ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड' पर आउट होने के बाद भड़के

यह घटना मैच के पांचवें ओवर में हुई, जब रघुवंशी को 'ऑब्स्ट्रक्टिंग द फील्ड' के तहत आउट दिया गया। इस फैसले के बाद वह अपना आपा खो बैठे और गुस्से में आकर उन्होंने बैट से बाउंड्री कुशन पर मारा। इतना ही नहीं, उन्होंने अपना हेलमेट भी डगआउट की ओर फेंक दिया, जो आईपीएल के आचार संहिता के खिलाफ है।

आईपीएल ने सुनाई सजा

आईपीएल की ओर से जारी बयान में कहा गया, 'अंगकृष रघुवंशी, कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज और विकेटकीपर, पर मैच नंबर 38 में आचार संहिता के लेवल-एक के उल्लंघन के लिए उनकी मैच फीस का 20 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और एक डिमेरिट प्वाइंट भी दिया गया है।' आगे बताया गया कि उन्होंने आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन किया, जो मैच के दौरान उपकरण या मैदान से जुड़े सामान के दुरुपयोग से संबंधित है। रघुवंशी ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और मैच रेफरी के फैसले को मान लिया है। आईपीएल नियमों के अनुसार, लेवल-एक के उल्लंघन में मैच रेफरी का फैसला अंतिम होता है। लखनऊ के खिलाफ यह मैच केकेआर ने सुपर ओवर में जीता था, लेकिन इस जीत के बीच रघुवंशी का यह व्यवहार चर्चा का विषय बन गया।

दो दिग्गज भिड़ेः श्रेयस-पाटीदार या ईशान में श्रेष्ठ कप्तान कौन? सहवाग-जहीर ने रखी अलग-अलग राय

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने बेहतरीन नेतृत्व दिखाया है। टीम ने अपने पहले सात मैचों में छह जीत और एक 'नो रिजल्ट' के साथ शानदार शुरुआत की है। अय्यर आईपीएल इतिहास के पहले कप्तान बन गए हैं, जिन्होंने सीजन के शुरुआती सात मैचों में हार का सामना नहीं किया।

सहवाग ने दी परफेक्ट रेटिंग

पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग अय्यर की कप्तानी से काफी प्रभावित नजर आए। उन्होंने अय्यर को पूरे 10 में 10 अंक दिए। वहीं, पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान ने थोड़ा अलग नजरिया पेश किया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, 'सख्त टीचर ने तो पूरे नंबर दे दिए, लेकिन उदार टीचर ने नहीं।' इस पर सहवाग ने भी चुटकी लेते हुए कहा कि शायद जहीर ने पिछले सीजन के फाइनल में मिली हार (पंजाब की बेंगलुरु से हार) के कारण अंक काटे होंगे। जहीर खान ने अय्यर की कप्तानी को सराहा जरूर, लेकिन उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान

रजत पाटीदार की लीडरशिप को उनसे आगे बताया। उन्होंने कहा कि भले ही पंजाब किंग्स अंक तालिका में शीर्ष पर है, लेकिन सुधार की हमेशा गुंजाइश रहती है।

ईशान की कप्तानी की भी तारीफ

जहीर खान ने सनराइजर्स हैदराबाद के स्टैंड-इन कप्तान ईशान किशन की भी सराहना की। उन्होंने कहा, 'शुरुआत में उन्होंने पैट कमिंस के लीडरशिप स्टाइल को फॉलो किया, लेकिन कुछ मैचों के बाद उन्होंने अपना खुद का तरीका अपनाया और टीम मैनेजमेंट को बदलाव के लिए राजी किया।'

पॉइंट्स टेबल में पंजाब टॉप पर

फिलहाल पंजाब किंग्स 14 में से 13 अंकों के साथ पॉइंट्स टेबल में शीर्ष पर है। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स 10-10 अंकों के साथ क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। आईपीएल में अब प्लेऑफ की जंग रोमांचक हो चली है। 24 मई को लीग स्टेज के आखिरी मुकाबले खेले जाएंगे। हालांकि, बीसीसीआई ने अब तक नॉकआउट चरण का शेड्यूल नहीं जारी किया है।

व्यापार

स्मार्टफोन की लत से बच्चों को बचाएगी 100 डालर की डिवाइस, अमेरिका में मची धूम, कंपनी को मिली करोड़ों की फंडिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आपके बच्चे को स्मार्टफोन इस्तेमाल करने की लत है तो 100 डॉलर (करीब 9400 रुपये) की यह डिवाइस बच्चे की आदत बदल सकती है। यह डिवाइस कुछ और नहीं बल्कि लैंडलाइन-स्टाइल फोन है। अमेरिका में इस फोन ने धूम मचाई हुई है। कई परिवार और स्कूल बच्चों को स्मार्टफोन से दूर रखने के लिए इस लैंडलाइन फोन को अपना रहे हैं। यह डिवाइस अप्रैल 2025 में लॉन्च हुई थी। बिना किसी बड़े विज्ञापन के सिर्फ लोगों की चर्चा के जरिए ही इसकी लाखों यूनिट्स बिक चुकी हैं। इस स्टार्टअप की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसने हाल ही में 12 मिलियन डॉलर (करीब 113 करोड़ रुपये) की बड़ी फंडिंग जुटाई है।

फिलहाल यह डिवाइस अमेरिका और कनाडा में उपलब्ध है। आवाज में बातचीत बच्चों की कम्युनिकेशन स्किल बेहतर करती है और उन्हें बातचीत के दौरान धैर्य रखना सिखाती है। साथ ही माता-पिता अब स्मार्टफोन का एक सुरक्षित विकल्प पाकर राहत महसूस कर रहे हैं।

दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम, मुंबई, बेंगलुरु... सरकार लाने जा रही है 25 प्रतिशत एथेनॉल वाला पेट्रोल, 2030 तक ई 100 का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में एक अप्रैल से ई 20 पेट्रोल (20 फीसदी एथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल) बेचने को अनिवार्य करने के बाद सरकार अब श्व25 पेट्रोल (25 फीसदी एथेनॉल और 75 फीसदी पेट्रोल) ला रही है। सूत्रों का कहना है कि इसके लिए सरकार ने पूरी तैयारी कर ली है, जिसे बस अंतिम रूप दिया जा रहा है। ई 25 अभी सभी गाड़ियों में नहीं डाला जा सकता। इसे देखते हुए कुछ ही दिनों में पायलट प्रोजेक्ट के तहत इसकी शुरुआत देश के कुछ पेट्रोल पंपों से की जाएगी। जिसमें दिल्ली और एनसीआर के सभी शहर गुरुग्राम, नोएडा, फरीदाबाद, गाजियाबाद के अलावा मुंबई, हैदराबाद, चेन्नई और बेंगलुरु समेत कुछ अन्य बड़े शहर भी इस लिस्ट में शामिल किए जा रहे हैं। अभी चुनिंदा पेट्रोल पंपों पर ही मिलेगा

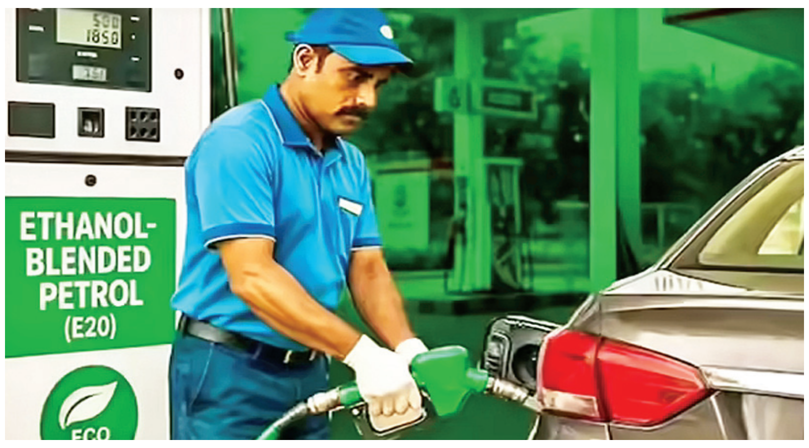

सूत्रों ने बताया कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की एथेनॉल ब्लेंडिंग नीति के तहत एथेनॉल को बढ़ावा देने पर काम किया जा रहा है। इसके तहत ई-20 आने के बाद अब ई-25 लाने पर काम किया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि शुरुआत में दिल्ली-एनसीआर समेत देश की तमाम मेट्रो सिटी के कुछ चुनिंदा पेट्रोल पंपों से इसे बेचना शुरू किया जाएगा। इसमें पेट्रोल पंपों के एक-एक पेट्रोल टैंकों को ई25 पेट्रोल में कन्वर्ट किया जाएगा, सभी को नहीं। ताकि लोगों को ई-20 पेट्रोल की कोई कमी ना रहे।

क्या पड़ेगा आप पर असरः ई-25 फ्यूल से ना केवल लोगों की जेब कम ढीली होगी, बल्कि इससे प्रदूषण भी कम होगा। इससे पर्यावरण को भी फायदा होगा। इसके अलावा सरकार की कच्चे तेल को इंपोर्ट करने पर निर्भरता और कम होगी। किसानों को भी इसका बड़ा लाभ होगा। हालांकि, इसे बड़े स्तर पर लागू करने से पहले सरकार इसके चैलेंज को भी समझना चाह रही है। ताकि कुछ पेट्रोल पंपों से इसकी शुरुआत कर इसकी तकनीकी बारीकियों को भी समझा जा सके।

सभी गाड़ियों में नहीं डाला जाएगा ई-25

ई-25 बेचने से पहले सरकार और तेल कंपनियां इस फ्यूल ट्रांजिशन को लेकर ऑटोमोबाइल कंपनियों समेत सभी स्टेकहोल्डर से भी बात कर रही हैं।

सरकार रख सकती है कीमत कम

उम्मीद जताई जा रही है कि ई-25 को बढ़ावा देने के लिए सरकार शुरू में इसे कुछ सस्ता रख सकती है। इसमें तेल कंपनियों की रजामंदी भी जरूरी है। इसके लिए आईओसी और बीपीसी समेत तमाम तेल कंपनियों से भी बातचीत जारी है। इसके तहत दिल्ली में पूसा इंस्टीट्यूट की तरफ और राजधानी के एक-दो अन्य पेट्रोल पंपों से इसे बेचना शुरू किया जा सकता है। सूत्रों का कहना है कि उम्मीद है कि कुछ दिनों बाद कुछ पेट्रोल पंपों से ई-25 पेट्रोल लोगों को मिलना भी शुरू हो जाए। सरकार साल 2030 तक ई-30 पेट्रोल बेचने पर भी काम कर रही है है।

● दो दशकों से ज्यादा लंबे बैंकिंग और बीमा करियर को अलविदा कहकर उन्होंने उद्यमिता का मुश्किल रास्ता चुना

सास ने दिया हौसला तो नौकरी छोड़कर शुरू किया बिजनेस, अब लाखों की कमाई कर रही है बहू

नई दिल्ली, एजेंसी। कनिका गंगहार राजधानी दिल्ली की रहने वाली हैं। उनकी कहानी साहस और पारिवारिक समर्थन की मिसाल है। दो दशकों से ज्यादा लंबे बैंकिंग और बीमा करियर को अलविदा कहकर उन्होंने उद्यमिता का मुश्किल रास्ता चुना। साल 2023 में कनिका ने अपने स्टार्टअप की नींव रखी। इसका नाम नाचेरल है। यह सस्टेनेबल स्किन और हेयर केयर ब्रांड 53 से ज्यादा हाथ से बने ऑर्गेनिक और हर्बल प्रोडक्ट्स पेश करता है। ये सभी प्रोडक्ट्स छोटी-छोटी खेप में 100 प्रतिशत प्राकृतिक चीजों से बनाए जाते हैं। सास के प्रोत्साहित करने पर 6 लाख रुपये की पूंजी से कनिका ने इसकी शुरुआत की थी। अब यह ब्रांड लाखों की कमाई कर रहा है। आइए, यहां कनिका गंगहार की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

छोड़ दी जमी-जमाई नौकरीः कनिका लेडी इरविन कॉलेज से ग्रेजुएट और एमिटी यूनिवर्सिटी से एमबीए हैं। बैंकिंग और इंश्योरेंस सेक्टर में 23 साल से अधिक समय बिताया। हालांकि, उनके मन में हमेशा से एथिकल स्किनकेयर ब्रांड शुरू करने का विचार था। इस सपने को हकीकत में बदलने का श्रेय वह अपनी दिवंगत सास मीना गंगहार को देती हैं। उन्होंने ही कनिका को अपनी जमी-जमाई नौकरी छोड़कर कुछ नया करने के लिए प्रेरित किया। सास के इसी भरोसे को सम्मान देने के लिए ब्रांड की पैरेंट कंपनी का नाम 'मीना एंटरप्राइजेज' रखा गया।

6 लाख की सेविंग से शुरुआतः कनिका ने जनवरी 2023 में अपनी सेविंग से 6 लाख रुपये का निवेश करके अपना ब्रांड लॉन्च किया। उन्होंने बाजार में सिंथेटिक उत्पादों और रसायनों की भरमार देखी। उसके विकल्प के रूप में 100 प्रतिशत नैचुरल और हैंडक्राफ्टेड यानी हाथ से बने उत्पाद पेश किए। उन्होंने दिल्ली में अपनी वर्कशॉप में छोटे बैचों में प्रोडक्ट बनाना शुरू किया। शुरुआत में 3 कैटेगरी से शुरू हुआ यह सफर अब 53 से अधिक उत्पादों तक पहुंच चुका है। इसमें फेस सीरम, बाथिंग बार और वेलनेस उत्पाद शामिल हैं। कनिका के लिए मैन्युफैक्चरिंग की दुनिया बिल्कुल नई थी। शुरुआत में उन्हें कई बाधाओं का सामना करना पड़ा।

पेट्रोल का दाम कहीं दोगुना हुआ तो डीजल ढाई गुना, भारत में है राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान संकट के बाद दुनिया में ईंधन की कीमतों में तेज उछाल आया है, लेकिन भारत ने अभी तक इस झटके को सीमित रखा है। आने वाले समय में यह देखना अहम होगा कि यह स्थिरता कब तक बनी रहती है और वैश्विक बाजार का दबाव कब असर दिखाता है। ईरान संकट के बाद से अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में आई तेज उछाल का असर दुनिया भर के फ्यूल मार्केट पर साफ दिख रहा है। क्रूड ऑयल आज भी 100 डॉलर के पार हैं। ब्रेंट क्रूड की कीमत 107 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई हैं। इस बीच ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के रेट अपडेट कर दी हैं। आज के रेट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर पर उपलब्ध है। जबकि, पड़ोसी देशों में कीमतें आसमान छू रही हैं। पाकिस्तान में पेट्रोल 123.05 और चीन में 131.13 रुपये लीटर है। श्रीलंका में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 134.60 रुपये पर पहुंच गई है। जबकि, भूटान में पेट्रोल 102.78 रुपये लीटर पर पहुंच गया है। बंग्लादेश में भी पेट्रोल 106.85 रुपये लीटर है। जबकि, म्यांमार में 147.54 रुपये। अगर दुनिया की बात करें तो ग्लोबल पेट्रोल प्राइस डॉट कॉम का लेटेस्ट डेटा बताता है कि कई देशों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में ऐतिहासिक बढ़ोतरी हुई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)